"बिजनेस पोस्ट के अन्तर्गत डाक शुल्क के नगद भुगतान (बिना डाक टिकट) के प्रेषण हेतु अनुमत. क्रमांक जी. 2-22-छत्तीसगढ़ गजट/38 सि. से. भिलाई, दिनांक 30-5-2001."

पंजीयन क्रमांक "छत्तीसगढ़/दुर्ग/सी. ओ./रायपुर 17/2002."

छत्तीसगढ़ राजपत्र

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 41] रायपुर, शुक्रवार, दिनांक 10 अक्टूबर 2003—आश्विन 18, शक 1925

विषय—सूची

भाग १

राज्य शासन के आदेश

सामान्य प्रशासन विभाग
मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 2 सितम्बर 2003

क्रमांक 796/2003/1-8/स्था.—श्री एम. एस. परस्ते, उप-सचिव, आदिमजाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग को दिनांक 20-7-2003 से 26-7-2003 तक 7 दिन का अर्जित अवकाश स्वीकृत किया जाता है, साथ ही दिनांक 27-7-2003 के सार्वजनिक अवकाश को जोड़ने की अनुमति प्रदान की जाती है.

2. अवकाश अवधि में उन्हें अवकाश वेतन एवं भत्ता उसी प्रकार देय होगा, जो उन्हें अवकाश पर जाने के पूर्व मिलता था.

संचालक, मुद्रण तथा लेखन सामग्री, छत्तीसगढ़ द्वारा शासकीय क्षेत्रीय मुद्रणालय, राजनांदगांव से मुद्रित तथा प्रकाशित—2003.

रायपुर, दिनांक 8 सितम्बर 2003

क्रमांक 840/2003/1-8/स्था.—श्री एस. के. विश्वकर्मा, अवर सचिव, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग को दिनांक 11-8-2003 से 23-8-2003 तक 13 दिन का लघुकृत अवकाश स्वीकृत किया जाता है.

2. अवकाश से लौटने पर श्री एस. के. विश्वकर्मा को अवर सचिव, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के पद पर पुनः पदस्थ किया जाता है.

3. अवकाश अवधि में उन्हें अवकाश वेतन एवं भत्ता उसी प्रकार देय होगा, जो उन्हें अवकाश पर जाने के पूर्व मिलता था.

4. प्रमाणित किया जाता है कि श्री एस. के. विश्वकर्मा अवकाश पर नहीं जाते तो अवर सचिव, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के पद पर कार्य करते रहते.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
दुर्गेश मिश्रा, संयुक्त सचिव.

रायपुर, दिनांक 16 सितम्बर 2003

क्रमांक 842/590/2003/1-8.—श्री के. के. बाजपेयी, अवर सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग को दिनांक 26-9-2003 से 3-10-2003 तक 8 दिन का अर्जित अवकाश स्वीकृत किया जाता है. साथ ही दिनांक 4 एवं 5-10-2003 के सार्वजनिक अवकाश को जोड़ने की अनुमति प्रदान की जाती है.

2. श्री बाजपेयी के अवकाश अवधि में उनका कार्य श्रीमती विभा चौधरी, अवर सचिव, छ. ग. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग देखेंगी.

3. अवकाश अवधि में श्री बाजपेयी को वेतन एवं भत्ता उसी प्रकार देय होगा जो उन्हें अवकाश पर जाने के पूर्व मिलता था.

4. अवकाश से लौटने पर श्री बाजपेयी को पुनः सामान्य प्रशासन विभाग में पदस्थ किया जाता है.

5. प्रमाणित किया जाता है कि श्री बाजपेयी यदि अवकाश पर नहीं जाते तो अपने पद पर कार्य करते रहते.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
एन. के. भट्टर, विशेष कर्त्तव्यस्थ अधिकारी.

संस्कृति विभाग

मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 11 सितम्बर 2003

क्रमांक एफ 6-3/सं./तीस/2003.—छत्तीसगढ़ सिनेमा (विनियमन) अधिनियम, 1952 (क्र. 17 सन् 1952) की धारा 9 के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, छत्तीसगढ़ सिनेमा (विनियमन) नियम, 1972 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

संशोधन

उक्त नियमों में,—

1. नियम 101 के "प्रारूप ङ" के शर्तें तथा निबंधन में निबंधन 1 के खण्ड (ग) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड अन्तःस्थापित किया जाए.

"(घ) प्रत्येक सिनेमा गृह, विडियो पार्लर और चल सिनेमा गृह में प्रतिदिन प्रत्येक शो में पर्यावरण संरक्षण संबंधी कम से कम दो स्लाइड्स/संदेश निशुल्क प्रदर्शित किया जाएगा. अनुज्ञप्तिधारियों द्वारा इस शर्त का पालन न किए जाने के मामले में उनकी अनुज्ञप्ति तत्काल निरस्त की जा सकेगी."

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
जयसिंह म्हस्के, उप-सचिव.

रायपुर, दिनांक 11 सितम्बर 2003

क्रमांक एफ 6-3/सं./तीस/2003.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में इस विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ 6-3/सं./तीस, दिनांक 11 सितम्बर, 2003 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
जयसिंह म्हस्के, उप-सचिव.

Raipur, the 11th September 2003

No. F 6-3/Culture/XXX/2003.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of Section 9 of the Chhattisgarh Cinema (Regulation) Act, 1952 (No. XVII of 1952), the State Government hereby makes the following amendment in the Chhattisgarh Cinemas (Regulation) Rules, 1972, namely :—

AMENDMENT

In the said rules,—

1. After clause (c) in term 1 in conditions and restrictions of "Form E" of rule 101 the following clause (d) shall be inserted.

"(d) the free exhibition of atleast two slides/messages regarding environmental conservation, shall be compulsory in every show in every cinema theatre, video parlour and touring cinema. In case of non compliance of the condition by the licence holders their licence may be cancelled immediately."

By order and in the name of the Governor of Chhattisgarh,
JAISINGH MHASKEY, Deputy Secretary.

पर्यावरण एवं नगरीय विकास विभाग
मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 16 सितम्बर 2003

क्रमांक 1904/1513/आ. पर्या./32/2003.—एतद्द्वारा छत्तीसगढ़ भूमि विकास नियम, 1984 को और संशोधन करने हेतु नियमों का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे राज्य सरकार, छत्तीसगढ़ नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम, 1973 (क्रमांक 23 सन् 1973) की धारा 85 सहपठित धारा 24 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, बनाना प्रस्तावित करती है, उक्त अधिनियम की धारा 85 की उपधारा (1) द्वारा अपेक्षित किए गए अनुसार, उन समस्त व्यक्तियों की जानकारी के लिए, जिसके कि इससे प्रभावित होने की संभावना है, प्रकाशित करती है तथा एतद्द्वारा सूचित करती है कि उक्त नियम प्रारूप पर इस अधिसूचना की प्रतियों के छत्तीसगढ़ राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से तीस दिनों के अवसान के पश्चात् विचार किया जाएगा, जो लोगों को प्राप्त हों.

इस नियम प्रारूप पर आपत्ति या सुझाव विशेष सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, पर्यावरण एवं नगरीय विकास विभाग, मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर को भेजे जा सकेंगे.

उक्त प्रारूप नियम के संबंध में किसी व्यक्ति द्वारा आपत्ति या सुझाव जो विनिर्दिष्ट कालावधि के अवसान के पूर्व प्राप्त हो, राज्य शासन द्वारा विचार किया जाएगा.

संशोधन

1. उक्त नियमों में, नियम 42-क के पश्चात् निम्नलिखित नियम 42-ख अंत:स्थापित किया जाए, अर्थात् :—

42-ख (1) ऐसे समस्त वाणिज्यिक परिसर,जो 400 वर्गमीटर या उससे अधिक भू-खण्ड क्षेत्रफल पर वाणिज्यिक प्रयोजन हेतु विकसित होंगे, वाणिज्यिक प्रयोजन हेतु निर्मित होने वाले कुल फर्शीक्षेत्र का 10 प्रतिशत क्षेत्र, आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्तियों के लिए छोटी-छोटी दुकानों के विकास हेतु, आरक्षित किया जाएगा.

(2) ऐसे आरक्षित क्षेत्र में, निर्माता द्वारा 5 वर्गमीटर क्षेत्रफल तक की छोटी-छोटी दुकानों का निर्माण किया जाएगा.

(3) ऐसी दुकानें प्रत्येक तल पर 10 प्रतिशत क्षेत्रफल पर निर्मित की जानी होंगी.

(4) ऐसी दुकानों के मूल्य एवं हितग्राहियों का चयन, राज्य शासन द्वारा बनाए गए प्रावधानों के अनुसार निम्नलिखित समिति द्वारा किया जाएगा.

(एक)	संबंधित जिले का कलेक्टर.	अध्यक्ष
(दो)	संबंधित नगरपालिक निगम/परिषद् का आयुक्त/ मुख्य नगर-पालिका अधिकारी.	सदस्य
(तीन)	संबंधित जिले का जिला पंजीयक.	सदस्य
(चार)	परियोजना अधिकारी, जिला शहरी विकास अभिकरण.	सदस्य
(पांच)	संबंधित नगर तथा ग्राम निवेश का संयुक्त संचालक/उप संचालक/ सहायक संचालक.	सदस्य सचिव,

(5) उपरोक्त के बदले में डेवलपर/निर्माता को उसी परिसर में दस प्रतिशत अतिरिक्त फर्शीक्षेत्र (एफ. ए. आर.) की अनुमति दी जावेगी.

Raipur, the 16th September 2003

No. 1904/1513/H & E/32/2003.—The following draft of rule further to amend the Chhattisgarh Bhumi Vikas Niyam, 1984, which the State Government propose to make, in exercise of the powers conferred by Section 85 read with sub-section (3) of Section 24 of the Chhattisgarh Town and Country Planning Act, 1973 (No. 23 of 1973), is hereby, published as required by sub-section (1) of Section 85 of the said Act for information if all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft rule will be taken into consideration after the expiry of thirty days from the date on which the copies of this notification as published in the Gazette of Chhattisgarh, are made available to the public.

Objection or suggestion to these draft rule may be sent to the Special Secretary, Environment & Urban Development Department, Government of Chhattisgarh, Mantralaya, Dau Kalyan Singh Bhawan, Raipur.

The objection or suggestions which may be received from any person which respect to the said draft rule before the expiry of the period so specified will be considered by the State Government.

AMENDMENT

1. In the said rules, after Rule 42-A following Rule 42-B shall be inserted, namely :—

42-B (1) In all such commercial complexes, where the plots are being developed for commercial purpose, on plot area of 400 sq. mtrs. or more, 10% of the total constructed floor area of the commercial use shall have to be reserved for the development of small shops for the persons belonging to economically weaker section.

(2) On such reserved area, small shops upto area of 5 square meters shall be constructed by the builder.

(3) Such shops shall be constructed on each floor on 10% area.

(4) Cost of such shops and Selection of the beneficiaries will be done by the following committee as per the provisions made by the State Government

(i)	Collector of the concerned district.	Chairman
(ii)	Commissioner/ Chief Municipal Officer of the concerned Municipal Corporation/ Council.	Member
(iii)	District Registrar of the concerned district.	Member
(iv)	Project Officer District Urban Development Authority.	Member
(v)	Jt. Director/Dy. Director/Asstt. Director of Town & Country Planning.	Member Secretary.

(5) In lieu of the above, developer/builder will be given permission for additional ten percent floor area (FAR) in the same complex.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
बी. के. सिन्हा, विशेष सचिव.

गृह (सामान्य) विभाग
(विभागीय परीक्षा प्रकोष्ठ)
मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 4 सितम्बर 2003

क्रमांक एफ 9-36/गृह/दो/03.—आबकारी (उत्पाद शुल्क) विभाग के अधिकारियों के लिये राज्य शासन द्वारा नियत विभागीय परीक्षा, जो दिनांक 21 जुलाई, 2003 को प्रश्नपत्र "विधि तथा प्रक्रिया" विषय में सम्पन्न हुई थी, में सम्मिलित निम्न परीक्षार्थी को उत्तीर्ण घोषित किया जाता है :—

अनु. (1)	परीक्षार्थी का नाम (2)	पदनाम (3)
	निम्नस्तर	
	कलेक्टर रायपुर	
1.	श्री आदि कमल बंजारे	आबकारी उप निरीक्षक

(1)	(2)	(3)
7.	श्रीमती सुनीता मण्डावी	सहायक महिला बाल विकास विस्तार अधिकारी.
8.	श्रीमती ज्योति राठौर	पर्यवेक्षक
9.	श्रीमती जौहतरीन गौतम	पर्यवेक्षक

रायपुर, दिनांक 6 सितम्बर 2003

क्रमांक एफ-9-60/गृह/दो/03.—पंचायत एवं समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों के लिये राज्य शासन द्वारा नियत विभागीय परीक्षा, जो दिनांक 21 जुलाई, 2003 को प्रश्नपत्र "समाज कल्याण" (बिना पुस्तकों के) विषय में सम्पन्न हुई थी, में सम्मिलित निम्न परीक्षार्थियों को उत्तीर्ण घोषित किया जाता है :—

अनु. (1)	परीक्षार्थी का नाम (2)	पदनाम (3)
	निम्नस्तर	
	कलेक्टर रायपुर	
1.	श्रीमती राजकुमारी माग्रे	सहायक महिला बाल विकास विस्तार अधिकारी.
	कलेक्टर बिलासपुर	
2.	श्रीमती तुलसी जायसवाल	पर्यवेक्षक
3.	श्रीमती अंद्रियाना बीरेन्द्र कुजूर	पर्यवेक्षक
	कलेक्टर बस्तर	
4.	श्रीमती सावित्री राजपूत	पर्यवेक्षक
5.	कु. गीता उसेन्डी	सहायक महिला बाल विकास विस्तार अधिकारी.
6.	श्रीमती प्रेमलता ठाकुर	सहायक महिला बाल विकास विस्तार अधिकारी.

रायपुर, दिनांक 6 सितम्बर 2003

क्रमांक एफ 9-61/गृह/दो/03.—पंचायत एवं समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों के लिये राज्य शासन द्वारा नियत विभागीय परीक्षा, जो दिनांक 22 जुलाई, 2003 को प्रश्नपत्र "समाज शिक्षा" (बिना पुस्तक के) विषय में सम्पन्न हुई थी, में सम्मिलित निम्न परीक्षार्थियों को उत्तीर्ण घोषित किया जाता है :—

अनु. (1)	परीक्षार्थी का नाम (2)	पदनाम (3)
	उच्चस्तर	
	कलेक्टर रायपुर	
1.	श्री साजिद मेमन	बाल विकास परियोजना अधिकारी.
	कलेक्टर बिलासपुर	
2.	श्रीमती वंदना दीक्षित	सहायक महिला बाल विकास विस्तार अधिकारी.
3.	श्री तारकेश्वर प्रकाश सिन्हा	परियोजना अधिकारी
	निम्नस्तर	
	कलेक्टर रायपुर	
1.	कु. सोना भुर्वे	सहायक महिला बाल विकास विस्तार अधिकारी.

(1)	(2)	(3)
	कलेक्टर, बिलासपुर	
2.	श्रीमती तारा पटेल	पर्यवेक्षक
3.	श्रीमती रीता गुप्ता	पर्यवेक्षक
4.	श्रीमती कौशल्या प्रधान	सहायक महिला बाल विकास विस्तार अधिकारी.
	कलेक्टर बस्तर (जगदलपुर)	
5.	श्रीमती ज्योति राठौर	पर्यवेक्षक

रायपुर, दिनांक 16 सितम्बर 2003

क्रमांक एफ-9-82/गृह/दो/03.—पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों के लिये राज्य शासन द्वारा नियत विभागीय परीक्षा, जो दिनांक 25 जुलाई, 2003 को प्रश्नपत्र "सिविल पशु चिकित्सा अधिकारियों का" लेखा भाग-1 (बिना पुस्तकों के) भाग-2 (पुस्तकों सहित) विषय में सम्पन्न हुई थी, में सम्मिलित निम्न परीक्षार्थियों को उत्तीर्ण घोषित किया जाता है :—

अनु. (1)	परीक्षार्थी का नाम (2)	पदनाम (3)
	उच्चस्तर	
	कलेक्टर रायपुर	
1.	डॉ. शारदा नंद अग्रवाल	पशु चिकित्सा विस्तार अधिकारी.
2.	डॉ. धनंजय गुप्ता	पशु चिकित्सा विस्तार अधिकारी.
3.	डॉ. किरण चौधरी	पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ.
4.	डॉ. श्रीमती वंदना उपेन्द्र रात्रे	पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ.
	कलेक्टर बस्तर	
5.	डॉ. महेश सिंह बघेल	पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ.

रायपुर, दिनांक 18 सितम्बर 2003

क्रमांक एफ-9-75/गृह/दो/03.—वन विभाग के सहायक वन संरक्षकों के लिये राज्य शासन द्वारा नियत विभागीय परीक्षा, जो दिनांक 23 जुलाई, 2003 को प्रश्नपत्र "सामान्य विधि प्रश्नपत्र-2" (पुस्तकों सहित) विषय में सम्पन्न हुई थी, में सम्मिलित निम्न परीक्षार्थी को उत्तीर्ण घोषित किया जाता है.

अनु. (1)	परीक्षार्थी का नाम (2)	पदनाम (3)
	कलेक्टर रायपुर	
1.	श्री अमृत लाल खुंटे	सहायक वन संरक्षक.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
निरंजन दास, उप-सचिव.

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, जनशक्ति नियोजन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 7 अक्टूबर 2003

क्रमांक/एफ-73/96/उ.शि./03/38..—राज्य शासन, छत्तीसगढ़ निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) अधिनियम, 2002 की धारा 25 (2) के अंतर्गत "इंडियन इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, रायपुर" के शासी निकाय द्वारा प्रस्तुत, विश्वविद्यालय की प्रथम संविधियों को उप नियम (4) के अंतर्गत सहमति प्रदान करता है तथा उप नियम (5) के अंतर्गत प्रस्तुत 24 प्रथम संविधियां अनुमोदित करता है.

यह सांविधियां राजपत्र में प्रकाशन दिनांक से प्रभावशील होंगी.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
आर. सी. सिन्हा, सचिव.

Chapter 1

Preliminary - Title - Short Title

INDIAN INTERNATIONAL UNIVERSITY, RAIPUR

Established under section 5 of the Chhattisgarh Niji Kshetra Viswa Vidyalaya (Sthapana Aur Viniyaman) Adhiniyam 2002, vide Notification of the Government of Chhattisgarh No. F-73/96/2003/H.E./38, dated 22-07-2003, and Gazette Publication dated 08-08-2003.

FIRST STATUTES

Made in accordance with provisions in Sections 25 of the Chhattisgarh Niji Kshetra Viswa Vidyalaya (Sthapana Aur Viniyaman) Adhiniyam 2002

1.0 Short Title, Extent and Commencement

1.1 These Statutes shall, hereinafter be called, The FIRST STATUTES of the 'INDIAN INTERNATIONAL UNIVERSITY', 2003.

1.2 These First Statutes are applicable to 'INDIAN INTERNATIONAL UNIVERSITY' and any matter relating and incidental thereto.

1.3 These First Statutes shall come into force on the date of publication of these First Statutes by the Government of Chhattisgarh in the Official Gazette.

1.4 The Registered office of the 'INDIAN INTERNATIONAL UNIVERSITY' shall be located in the state of Chhattisgarh, India.

1.5 Branch Campus and office, Off Campus centers, Academic Centre, Satellite campus, affiliated colleges and institutions of the Indian International University shall be established in Chhattisgarh and other states of India and abroad.

1.6 The medium of instruction for all the courses shall be English.

CHAPTER 2

DEFINITIONS

2.0 **Definitions (in alphabetic order)**
In these First Statutes unless and otherwise the context demands:

2.1 **Academic Centers** mean Distance Education Centers approved by the University for imparting education in formal mode in respect of any or all courses offered by the University and even in new innovative courses not offered by the University but approved by them and located within or outside the state of Chhattisgarh in India and abroad. Such centers shall be designated as Academic Centers (AC). Such centers shall function independently within the framework of the University norms.

2.2 **Academic Council** means the Academic Council constituted under Section 22 of the Act and provisions of these First Statutes

2.3 **Academic Staff** means such categories of teaching staff as are designated as academic staff by ordinances.

2.4 **Academic Year** ordinarily means two academic sessions
a) 15th January of every year to 14th January of the following year and
b) 15th September of every year to 14th September of following year, or the dates announced by the Academic Council for a particular academic session.

2.5 **Act** means, the Chhattisgarh Niji Kshetra Viswa Vidyalaya (Sthapana Aur Viniyaman) Adhiniyam 2002.

2.6 **Affiliation** means and includes together with its geographical variations in relation to all institutions, colleges and schools recognition of such institution, colleges, and schools by, association of such colleges and schools with, and admission of such schools, colleges, institutions to the privileges of, the University. These institutions, schools and colleges may be located in or outside the state of Chhattisgarh which includes outstation and foreign countries.

2.7 **Authorities** means authorities mentioned under Section 19 of the Act, and provisions of these First Statutes.

2.8 **Board of Management** means the Board of Management of the University constituted under Section 21 of the Act and provisions of these First Statutes.

2.9 **Board of Studies** means the Board of Studies of the University for each subject or group of subjects constituted by the Academic Council.

2.10 **Chancellor** means the Chancellor of the University as mentioned in Section 14 of the Act and provisions of these First Statutes.

2.11 **Chapter** means a Chapter of these First Statutes.

2.12 **Chief Finance and Accounts Officer** means an officer appointed as per Section 17 of the Act and the provisions of these First Statutes.

2.13 **Committee** means all committees constituted under various Sections of these First Statutes.

2.14 **Common Seal** means the authoritative seal of the University established under Section 6 of the Act.

2.15 **Controller of Examinations** of the University means an officer appointed under Section 18 of the Act and the provisions of these First Statutes.

2.16 **Courses** include programmes and courses of studies imparted in formal mode and / or in non - formal/ distance education mode in the institutions, colleges, schools, Off-campus centers, Regional centers, Academic Centers, Study Centers and satellite campuses.

2.17 **Credit Transfer** means transfer and acceptance of weightage / credits of the programmes/ courses offered by various educational institutions, bodies and agencies in India and abroad, as approved by the University, for pursuing various programmes / courses offered by the University, including lateral entry as approved by the Academic Council.

2.18 **Dean (Faculty)** means the person responsible for the academic co-ordination, the upkeep, development and proper utilization of infrastructure facilities of the respective schools and fulfills the academic requirements of the systems.

2.19 **Department** means a University department of study and / or research or a department functioning for specific purposes by the University or through affiliation.

2.20 **Development Reserve** means the contribution given to the University or respective schools of the University which includes the development of the infrastructures, brand creation, research and development, creation and development of facilities, students/teachers/staff welfare etc, as decided by the Board of Management.

2.21 **Distance Education** means the education / courses / programmes / membership and continuing education offered to the students on the off campus mode. It includes various systems imparting education through any means of communication such as broadcasting, contact programs,

internet, e- learning or the combination of any two or more of such means.

2.22 **E - learning** the education / course / programmes offered by the University through electronic and such other media by online methods as approved by the Academic Council and the Board of Management.

2.23 **Finance Committee** means the Finance Committee constituted under Section 23 of the Act and provisions of these First Statutes.

2.24 **Financial Year** means the period commencing on the 1st of April of any year and ending with 31st March of the following year or any period as prescribed by the Governing Body.

2.25 **Fund** means the General Fund established under Section 7 of the Act and provisions of these First Statutes.

2.26 **Government** means the Government of the State of Chhattisgarh.

2.27 **He** includes She and His includes Her.

2.28 **Head of the Department** means the officer in charge of the Department / Branch of study who is responsible for its academic and administration including day to day working under the supervision and control of the respective Dean.

2.29 **Institute** means and includes institute, institution, school and college constituted as part of the University to impart education in specified disciplines located within or outside the State of Chhattisgarh in India and / or abroad, which includes Membership and Continuing Education.

2.30 **Main Campus** means the campus of the University colleges and schools located in the State of Chhattisgarh, India.

2.31 **Manual of Instructions** includes all rules, procedures, instructions and systems laid down by various Committees, Boards, Authorities, Officers of the University, and is approved by the Board of Management of the University, and modified for the purposes of smooth functioning of the University.

2.32 **Off Campus Centers** means Distance Education Centers / Institutions approved by the University for imparting education in formal / distance mode, in respect of any or all courses offered by the University and even new innovative courses not offered by the University at present but approved by them and located within or outside the State of Chhattisgarh in India and abroad. Such centers shall be designated as Off Campus Academic Centers (OCAC). Such centres shall function independently within the framework of the University norms.

2.33 **Ordinance** means ordinances issued by the University as prescribed by the Section 27 of the Act.

2.34 **Regional Administrative Offices** means regional administrative offices of the University established in various locations outside the state of Chhattisgarh, and abroad, for administrative convenience as approved by the Board of Management.

2.35 **Regional Campus** means institutions/ schools/ colleges established directly by the University in various locations, outside the state of Chhattisgarh and abroad to impart education through regular / distance education mode, as approved by the Board of Management.

2.36 **Registrar** means the officer appointed within the meaning of Section 16 of the Act and provisions of these First Statutes.

2.37 **Regulations** mean Regulations made under Section 37 of the Act.

2.38 **Rules** mean the Rules made under Section 36 of the Act.

2.39 **Satellite Campus** means institutions / schools / colleges established directly by the University in various locations, outside the State of Chhattisgarh and abroad to impart education through regular / distance education mode, as approved by the Board of Management.

2.40 **Schools** means a group of departments or branches of study in the University for imparting formal and or non-formal / distance education mode/continuing education programme as decided by the University.

2.41 **Sponsoring Body** means Global Educational Foundation, 202, Raipur Commercial Complex, Raipur, under the provisions of Chhattisgarh Nizi Kshetra Viswavidyalaya (Sthapana Aur Viniyaman) Adhiniyam, 2002, and Chhattisgarh Societies Registrikaran Adhiniyam 1973 (No.44 of 1973) and founded by Universal Empire Group of Educational Institutions.

2.42 **Staff** means the teaching and non-teaching employees of the University who are on the payroll of the University and does not include any casual, temporary, contractual, ad - hoc employees, consultants or visiting persons who may be engaged for a specific assignment or task.

2.43 **States** means the states of the Republic of India.

2.44 **Statutes** means the Statutes made under Section 25 and 26 of the Act and includes the amendments, alterations and modifications to the Statutes, made from time to time.

2.45 **Student** means a student of the University and includes any person who is enrolled to pursue any course of study at the university at Main Campus and Regional Campuses, any

institute of the University, Off Campus centres, Academic centres, Satellite campus, Study centres and Colleges affiliated to the University including Credit Transfer students.

2.46 **Study Centre** means Distance Education Centers approved by the University for imparting education in formal mode in respect of any or all courses offered by the University and even new innovative courses not offered by the University but approved by them and located within or outside the state of Chhattisgarh in India and abroad. Such centers shall function independently within the framework of the University norms.

2.47 **University** means the Indian International University established under Section 5 of the Act and will have the same meaning as stated in Section 2(f) of the University Grants Commission Act 1956 as amended time to time.

2.48 **Vice Chancellor** means the Vice Chancellor of the University appointed within the meaning of Section 15 of the Act and provisions of these First Statutes.

2.49 **Visitor** means the Visitor as defined under Section 13 of the Act.

Chapter 3
Objects of the University

3.0 **Objects of the University** The objects of the University are listed in succeeding paragraphs:

3.1 To provide a specialized, high quality education in all branches as preparation of professionals in business, service, industry and government.

3.2 To establish main campus in the State of Chhattisgarh, regional campus outside Chhattisgarh which includes foreign countries, regional administrative offices, and to affiliate Colleges / Institutions, approve Study Centers, Academic Centers, Off Campus Academic Centers / Institutions, and run Satellite Campus(es) at different locations in India and abroad.

3.3 To use traditional and modern instructional techniques and technologies to the best advantage in the delivery system so as to enhance and enrich students' achievement to the best of their educational and career goals.

3.4 To offer quality educational programmes through on - campus, affiliated campus, regional campus, off campus and institutes for the advancement of continuing education through membership and fellowship programmes and also to award degrees, diplomas, certificates, memberships, fellowships and other academic distinctions on the basis of assignments as laid down by the academic council.

3.5 To offer continuing education, distance education and online education programmes.

3.6 To provide educational opportunities to persons already employed or engaged in business, allowing them to pursue diploma / degree / Research, Membership/ Fellowship programmes without interrupting their work and without any compromise on the quality education.

3.7 To pursue innovations and develop new methods and technologies for delivery of education and development of instructional materials.

3.8 To use modern information and communication technologies to the maximum extent possible in all phases of academics as well as administrative aspects of the University programmes to ultimately achieve online instructional methodology and paperless concept.

3.9 To offer high quality programmes to business and service organizations for staff training and management development to enhance corporate productivity and efficiency, and also to meet the manpower requirements, to make an Indian fit for the global scenario.

3.10 To improve the quality, talent, values and skills of individuals to help them lead their lives as successful professionals and fit, responsible and socially acceptable citizens.

3.11 To explore the frontiers of knowledge through independent and need-based research, as well as collaboration with other entities in business or education having similar goals.

3.12 To aggressively pursue improvements in the quality of higher education through dedication and commitment to teaching, training and research, giving special emphasis and care in students welfare programmes.

3.13 To help develop industry by extending consultancy services, research and development to improve its quality and productivity.

3.14 To encourage and promote research activities and set up centres of excellence for pure and applied research and development, and institute awards and fellowships for undertaking research at University as well as at other Institutions/Centers of the University in India and Abroad.

3.15 To affiliate, recognize or collaborate with any other college, University, research institution, industry association, professional association or any other organization in India or abroad to conceptualize, design and develop and run specific educational and research programs, training programmes, exchange programmes and any such other programs which the University may consider appropriate for students, faculty members and others, which includes credit and equivalency of the other courses and programs offered by various educational institutions. Bodies and agencies in India and abroad, as approved by the University.

3.16 To undertake surveys, studies and consultancy for any organization in India or abroad.

3.17 To undertake programs for training and development of faculty members of the University and other institutions in India or abroad.

3.18 To undertake collaborative research with any organization in India or abroad, and undertake commercialization of technologies.

3.19 To develop, register and license all forms of intellectual property rights including trademarks, copyrights, know-how and patents, etc.

3.20 To conceptualize, design, develop and commercialize various products, equipment and machinery as part of the research and development activity.

3.21 To establish state-of-the-art facilities for the promotion and advancement of education, training and research activities.

3.22 To establish examination centers wherever necessary.

3.23 To confer honorary degrees and other academic distinctions in the manner laid down in the Statutes.

3.24 To encourage sports, cultural and co-curricular activities for the students and the staff.

3.25 To pursue any other objective as may be approved by the Governing Body within the framework of the University Act.

3.26 To pursue any other objective as may be approved by the State Government.

3.27 To popularize and spread Indian educational methodology and values for the welfare and development of mankind across the globe.

3.28 To undertake such programs and activities as are essential to or supportive of the achievement of the above listed objectives.

3.29 To do all things necessary to promote the above objectives.

CHAPTER NO. 4

Powers of the Visitor
(Section 13 of the Adhiniyam)

4.1 His Excellency the Governor of Chhattisgarh shall be the Visitor of the Indian International University.

4.2 The Visitor may present and preside over the Convocation function of the University for conferring the Degrees, Diploma, Fellowship and Memberships to the students under the University.

4.3 The Visitor can call for any information or records relating to the affairs of the University.

4.4 The Visitor shall enjoy the powers to issue directions as he may deem fit in the interest of the University for non-compliance of the Adhiniyam, Statutes, Regulations, Ordinances, Rules and such other directions issued by him shall be complied with by all concerned.

CHAPTER NO.5

Powers of the Chancellor
(Section 14(4) (d) of the Adhiniyam)

The Chancellor shall have the following powers as listed in Section 14(4) (a) to (d) of the Adhiniyam:

5.1. The Chancellor shall be the head of the University and shall preside at the convocation of the University in the absence of the visitor.

5.2. All the authorities of the University shall be subordinate to the Chancellor.

5.3. To appoint the Vice-Chancellor.

5.4. To remove the Vice-Chancellor.

5.5. To call for any information or record.

5.6. The Chancellor shall when an emergency arises have the right to suspend or dismiss any of the authorities of the University and to take further action for the interim administration of the University.

5.7 It shall be the duty of the Chancellor to ensure that the provisions of the Act, Statutes, Ordinances, Regulations, Rules, By-Laws are faithfully observed and carried out and he shall have all powers necessary for this purpose.

5.8 The Chancellor shall be the representative of the University in all the Associations in Indian / Commonwealth Universities and other similar bodies or associations in India or abroad, in which the University is a member. He may depute suitable officers in his absence.

5.9. The Chancellor may, by order in writing, annul any proceeding of any of the authorities of the University which is not in conformity with this Act, the Statutes, the Ordinances, the Regulations and the Rules in the interest of the University, provided that, before making any such order, the Chancellor shall call upon such authority to show cause why such an order should not be made and consider the cause, if any, shown by such authority within a reasonable time.

5.10 Every proposal for the conferment of an honorary degree shall be subject to confirmation by the Chancellor.

5.11. The seniority of the Professors of the University shall be determined by the Chancellor on the basis of the length of service as Professor. The seniority of a Professor of University shall be decided by the Chancellor with reference to the date of first appointment in his grade. In the case of those Professors

whose date of first appointment is the same, the seniority shall be decided by the Chancellor with reference to age, the older being senior. The Chancellor is also to consider the merit and aptitude of Professors as determining factors whilst fixing their seniority.

5.12. The Chancellor shall hold his office for a period of 3 years and his terms and conditions shall be as fixed by the Sponsoring Body of the University and also subject to the provisions of the Adhiniyam..

5.13 he Chancellor shall have such other powers as may be conferred on him by the Act or the Statutes.

5.14 In addition, the Chancellor shall also have following powers:

5.14.1. To constitute such committees, as he deems necessary to help him in discharge of duties entrusted to him by or under the Adhiniyam.

5.14.2. To appoint the Registrar.

5.14.3. To remove the Registrar.

5.14.4. To appoint the Chief Finance and Accounts Officer.

5.14.5. To remove the Chief Finance and Accounts Officer.

5.14.6. To interpret the Act.

5.14.7. To give effect to what is not covered in the Statutes.

5.14.8. To accord sanction for all works, original or repairs.

5.14.9. To accept tenders for works and tenders/quotations for supplies.

5.14.10. To sanction increments to all employees of the University.

5.14.11. To take disciplinary action against any officer of the University.

5.14.12. The Chancellor shall be the chairman of the Governing Body and the head of the University.

5.14.13. The Chancellor may if required delegate his powers to the officers of the University he may deem fit in the best interests of the University.

5.14.14. The office of the Chancellor may be located anywhere in India or abroad.

CHAPTER NO. 6

Terms and conditions of Appointment of Vice-Chancellor His powers and duties (Section 25(1) (b) read with Section 15 (1) of the Adhiniyam)

6.1. The Vice-Chancellor shall be appointed by the Chancellor from panel of three persons recommended by the Governing Body for a term of four years and shall not be eligible for reappointment for more than two terms, provided that he shall cease to hold the office on attaining the age of 65 years and provided that he is not below the rank of Dean / Professor.

Provided further that not withstanding the expiry of his term he shall continue to hold office, if the Chancellor so directs until his successor is appointed and enters the office but this period shall not in any case exceed six months.

6.2. The Vice-Chancellor shall be the principal executive and academic officer of the University, who shall exercise general supervision and control over the affairs of the University and give effect to the decisions of all the authorities of the University. He shall receive salary recommended by University Grants Commission and approved by the State Government from time to time plus other allowances admitted by the Governing body from time to time or as mutually agreed by the Vice-Chancellor and the Chancellor.

6.3. During the tenure of office the Vice-Chancellor shall be entitled to have a rent free furnished accommodation maintained by the University. He shall be entitled to use a University vehicle for official purposes. The Vice-Chancellor shall also be eligible to use the University vehicle for private purposes and for such journeys he will be liable to pay such charges as are prescribed by Government for private use of Government vehicle by officers on the basis of kilometers involved in private use.

6.4. The Vice-Chancellor shall be entitled to other benefits such as medical allowance and leave travel concessions as admissible to other University employees.

6.5. The Vice-Chancellor shall be entitled to travelling allowance from place of his residence on his appointment as Vice-Chancellor and after relinquishment of his charge.

6.6. The Vice-Chancellor shall have power to constitute such committees, as he deems necessary to help him in the discharge of the duties entrusted to him by or under the Adhiniyam, as approved by the Chancellor.

6.7. The Vice-Chancellor shall have power to sanction an allowance to any employee of the University for any special duty assigned to such employee for additional duties performed by him which in the opinion of Vice-Chancellor warrants such payment, with the consent of the Chancellor, provided that such allowance shall not

exceed 20% of the basic salary of such employee, provided also that the period of such allowances shall not exceed six months.

Provided further that any action taken under this clause of Statute shall be reported to Board of Management at its next meeting.

6.8. The Vice-Chancellor shall exercise such other powers as may be given to him/her by the Chancellor and the Governing Body from time to time.

6.9. Subject to the control of the Chancellor and the Board of Management, the Vice-Chancellor shall exercise such financial powers as laid down in the financial regulations approved by the Board of Management.

6.10. The Vice-Chancellor shall have the right to visit and inspect Colleges and other Institutions maintained by or affiliated to the University. He shall have the powers to depute a nominee to inspect and submit report on the functioning of the Colleges / other Institutions in accordance with the Statutes, Ordinances, Regulations, Rules, etc.

6.11. The Vice-Chancellor shall see that the proceedings of the University are in accordance with the Act, Statutes, Ordinances, Regulations, Rules & By-Laws and to report the same to the Chancellor for further action in conformity with the above provisions.

6.12. The Vice-Chancellor may, by writing under his hand address to the Chancellor, resign his office after giving one month's notice with his intention to do so.

6.13. The Vice-Chancellor is empowered to sanction grants / grant-in-aid to affiliated Colleges / other Institutions, from the University funds, inclusive of the general fund, in consultation with the Chancellor.

6.14 The Vice Chancellor is empowered to sanction grants, grants in aid to affiliate colleges and other institutes from the University's General fund with the consent of the Chancellor.

6.15. The Vice-Chancellor may be deputed on University business to any part of India or abroad.

6.16. In the event of a temporary vacancy occurring in the office of the Vice-Chancellor, or where the Vice-Chancellor is temporarily absent, the Registrar shall exercise the powers and perform the duties of the Vice-Chancellor.

6.17. The Vice- Chancellor shall be the ex-officio member of the Governing Body, Board of Management, Academic Council and such other committees that may be set up by the Board of Management from time to time.

6.18. If in the opinion of the Vice- Chancellor it is necessary to take immediate action on any matter for which powers are conferred on any other authority by or under the act, he may take such actions as he deems necessary in consultation with the Chancellor and shall at the earliest opportunity hereafter report his action to such officer or authority as would have in the ordinary course dealt with the matter. Provided that if in the opinion of the concerned authority such action should not have been taken by the Vice-Chancellor then such case shall be referred to the Chancellor whose decision there on shall be final.

Provided further that where any such action taken by the Vice-Chancellor affects any person in the service to the University, such person shall be entitled to prefer, within three months from the date on which such action is communicated to him, an appeal to the Chancellor and the Chancellor may confirm or modify or reverse the action taken by the Vice-Chancellor.

6.19 If in the opinion of the Vice- Chancellor any decision of any authority of the University is outside the powers conferred by the Act, Statutes or Ordinances is likely to be prejudiced to the interests to the University, he shall request the concerned authority to revise its decision within seven days from the date of its decision and in case the authority refuses to revise such decision wholly or party or fa''s to take any decision within seven days, then such matter shall be referred to the Chancellor and his decision thereon shall be final.

6.20 If at any time upon representation being made or otherwise, and after making such enquiries as may be deemed necessary, the Chancellor on the recommendations of the Governing Body may by an order in writing stating the reasons therein, ask the Vice-Chancellor to relinquish his office from such dates as may be specified in the order.

CHAPTER NO. 7

Terms and conditions of Appointment of Registrar His duties and powers (Section 25(a) read with section 16(1) of the Adhiniyam)

8.1 The period of appoint of the Registrar shall be one year in the first instance. He shall be a whole time salaried officer of the University and be appointed by a written order. The written order of his appointment shall be lodged with the Chancellor

8.2 The Registrar shall receive salary in the pay scale prescribed by University Grants Commission and admitted by the Governing Body from time to time or as mutually agreed by the Registrar and the Governing Body. He shall draw allowance admitted by Governing Body from time to time.

8.3 No person shall be eligible for appointment as Registrar unless he/she possesses the minimum qualification as applicable for the post and as determined by the Governing Body from time to time.

8.4. The Registrar shall be a full time salaried officer of the University.

8.5. The Registrar shall be entitled to leave, leave salary allowances and other benefits as may be prescribed by the University for its employees.

8.6. The Registrar may by written under his hand address to the Chancellor, resign his appointment after giving three months notice of his intention so to do. The Chancellor shall be the authority competent to accept his resignation.

8.7. The Registrar shall devote all his time to the duties of his office and shall not absent himself from work without the permission of the Vice-Chancellor. If the period of absence is one month, prior sanction shall be obtained from the Vice-Chancellor and if the period of absence is for and above three months, permission shall be obtained from the Chancellor.

8.8. In the event of a temporary vacancy occurring in the office of the Registrar, it shall deem fit to carry on the duties of the Registrar by the officer as designated by the Chancellor.

8.9. The Registrar shall be ineligible for election to any of the authorities/bodies of the University.

8.10. The Registrar shall be appointed by the Chancellor on the recommendation of the Committee of Selection constituted by him for a term of 4 years. Provided also that he shall cease to hold

the office on attaining the age of 60 or as prescribed by the Governing Body from time to time.

8.11 **Duties of the Registrar**

8.11.1 Duties -It shall be the duty of the Registrar:

8.11.1.1 To be the custodian of the records, the common seal and such other property of the University, as the Governing Body shall commit to his charge.

8.11.1.2 To issue all notice for convening the meetings of the Governing Body, the Board of Management, the Academic Council and other Authorities, Bodies and Committees declared by the Statutes and authority of the University under the direction of Chairperson of the concerned authority / body / committee. He shall act as Secretary of all these Authorities, Bodies and Committees.

8.11.1.3 To keep minutes of all the meetings of all the Authorities, Bodies and Committees and to execute the decision taken by them.

8.11.1.4 To conduct all official correspondence of the University.

8.11.1.5 To arrange for and appointment of superintends for the conduct of the examinations of the University.

8.11.1.6. To send the following documents to the Visitor and Chancellor, if called for.

a) Copies of the agenda of the meeting of the Governing Body, Board of Management and Academic Council as soon as such agenda is issued.

b) The minutes of the meeting of the authorities mentioned in 6A(vi)(a) above.

c) Such other papers and informations as the Visitor and Chancellor may direct him to supply.

8.11.1.7 To exercise all such powers as may be necessary or expedient to carry out the orders of the Chancellor / Vice Chancellor and the Governing Body and the Board of Management and various authorities, bodies and committees.

8.11.1.8 To discharge such other functions as may be assigned to him from time to time by the Chancellor, the Board of Management and Vice-Chancellor.

8.11.1.9 To perform such other duties as may from time to time, be entrusted to him by the Statutes, Ordinances, Regulations and Resolutions of Authorities; and

8.11.1.10 To render such duties and assistance as may be desired by the Chancellor and Vice Chancellor in the performance of his official duties.

8.11.1.11 To maintain a register of graduates, register of matriculates, register of donors, a register of endowments, register of registered graduates, other registers as are or may be prescribed by the law of the University from time to time.

8.11.1.12 To manage, under the direction of the Board of Management the property and investment of the University.

8.11.1.13 To sign contracts and other agreements on behalf of the University under the direction of the Board Of Management/ Chancellor.

8.12 Powers of the Registrar

8.12.1 Subject to the control of Board of Management, the Registrar shall have powers to appoint class III and IV employees of the University and shall exercise disciplinary control over them.

8.12.2 The Registrar shall explain the agenda if desired by the Chairman of any Authority, Body or Committee,

8.12.3 Subject to the control of Board of Management and approval of the Chancellor, the Registrar shall have financial powers including the borrowing of loans for the University and execution of the contracts on behalf of the University;

8.12.4 Subject to the general direction and control of the Vice-Chancellor, the Registrar shall be in charge of the administration of the University office and shall have the power to fix and define the functions and duties of the officers and employees of the University.

8.12.5 He shall take prompt steps for the effective working of the University office, subject to the prior approval of the Chancellor / Vice-Chancellor.

8.12.6 The Registrar shall also have power to sanction leave of all kinds except leave without allowance for a period exceeding 4 months, special disability leave and study leave to all employees up to and inclusive of Section Officers.

8.12.7 To sanction increments to all employees of the University subject to the approval of the Board of Management.

8.12.8 To sanction purchases for the use of the University Office, up to Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand only) in each case.

8.12.9 To sanction concessional charges for the use of the University vehicles according to the rules in this regard.

8.12.10 To forward application from non-gazetted employees, to appointment outside, subject to the service conditions laid down in the Statutes.

8.12.11 To sanction refund of security deposits and similar other deposits not exceeding Rs. 1,000/- (Rupees One thousand only) on the basis of the recommendation of the Heads of Departments.

8.12.12 To sanction expenditure on the printing of reports, proceedings etc at private presses when the works are based on the lowest among the quotations subject to budget provision.

8.12.13 To sanction expenditure on account of bills in respect of notifications published in the Government Gazette and newspapers subject to the budget provision and with the approval of the Vice Chancellor.

8.12.14 To sanction expenditure on account of bills for printing works done subject to budget provisions.

8.12.15 To call for and accept quotations for printing minutes of meetings, reports etc based on the lowest among the quotations.

8.12.16 To sanction the intends for stationery articles from the private source and to issue articles to the subordinate institutions according to necessity.

8.12.17 To sanction according to the rules of refund or release of deposits other than a security deposit for work after satisfactory fulfillment of contract.

8.12.18 To sanction claims for refund of revenue like examination and other fees according to the rules, up to Rs. 1,000/- (Rupees One thousand only) in each case.

8.12.19 To engage labourers for carrying out office work on casual basis.

8.12.20 To sanction payment of salary and pension contribution to Government, on account of deputation of staff to the University from Government Departments.

8.12.21 To sanction refund of deposits of earnest moneys, securities for work etc not exceeding Rs. 1,000/- (Rupees One thousand only) on the basis of the recommendation of the Heads of the Departments.

8.12.22 To sanction departmental advances up to a maximum of Rs. 1,000/- (Rupees One thousand only) to meet an expenditure of urgent nature subject to the rules and procedures followed by the University against the specific budget provision.

8.12.23 To sanction the use of University premises at concessional rates.

8.12.24 To represent the University in suits or proceedings by or against the University, sign Power of Attorneys and the pleadings or depute his representives for this purpose.

8,12,25. To submit information, reports and documents to the Government, University Grants Commission and other Government authorities.

8.12.26. The registrar shall be the ex-officio non member secretary of the Board of Management and ex-officio secretary of the Academic Council and such other authorities and bodies as may be constituted by or under the Act, the Statutes and the Ordinances as recommended by the Board of Management.

8.12.27. In the event of temporary absence of any office / officer in the University other than the Vice Chancellor, the Registrar shall automatically assume of the charge of office / officer until substitute arrangements are made.

8.12.28 The Registrar shall be competent to transfer the employees including casual / contractual / temporary / ad-hoc / part-time / consultants / visiting persons, working under the University as well as the Institutions directly run by the University.

CHAPTER No.8

Terms and conditions of Appointment of Chief Finance and Accounts Officer His duties and powers (Section 25 1 (c) read with section 17 (1) of the Adhiniyam)

9.1 The Chief Finance and Accounts Officer shall be appointed by the Chancellor on the recommendation of the Committee for the selection constituted by him.

9.2 The Chief Accounts Officer shall receive salary in the pay scale prescribed by the University Grants Commission and admitted by the Board of Members from time to time or as mutually agreed by the Chief Finance and Accounts Officer and the Governing Body.He shall draw allowance admitted by the Governing Body from time to time.

9.3. No person shall be eligible for appointment as Chief Finance and Accounts Officer unless he/she possesses the qualification laid down by the Governing Body for the post from time to time.

9.4. The Chief Finance and Accounts Officer shall be entitled to leave, leave salary allowances and other benefits as may be prescribed by the University for its employees.

9.5. The Chief Finance and Accounts Officer shall be full time salaried officer of the University.

9.6. Duties and Powers

9.6.1. Subject to the control of Chancellor/ Vice-Chancellor, the duty of the Chief Finance and Accounts Officer shall have the following powers and duties.

9.6.1.1 To hold and manage the property and investments of the University.

9.6.1.2 To ensure that the limits to be fixed by the Board of Management for recurring and non-recurring expenditure for the year are not exceeded and that all moneys are spent for the purpose for which they are granted or allocated.

9.6.1.3 To keep a constant watch on the state of cash and bank balances and on the state of investments.

9.6.1.4. To collect the income and disburse the payment and maintain the accounts of the University through the Chief Finance and Accounts Officer of the University and to see that all moneys in the University General Fund are utilized for the purpose for which they are collected / granted / donated.

9.6.2 Subject to the control of the Registrar, the Chief Finance and Accounts Officer shall-

9.6.2.1 Collect the income, disburse the payments and maintain the accounts of the University;

9.6.2.2 Be responsible for the preparation of annual accounts and budget of the University;

9.6.2.3 Have the accounts of the University regularly audited.

9.6.2.4 The Chief Finance and Accounts Officer shall be responsible for the preparation, authentication and filing of necessary returns and documents before the government/quasi government and other government authorities.

9.6.2.5 Ensure that the registers of buildings are up-to-date and the stock checking is conducted in all offices and institutions maintained by the University.

9.6.2.6 Suggest appropriate action against persons responsible for unauthorized expenditure and for other financial irregularities.

9.6.2.7 The Chief Finance and Accounts Officer shall be responsible for the maintenance of records in connection with the employees provident fund and any other statutory government obligations.

9.6.3 The Chief Finance and Accounts Officer shall have the power to call from any office or institution of the University any information or returns that he may consider necessary for due performance of his duties.

9.6.4 The Finance Officer or his authorised nominee shall be an essential signatory to all the cheques and other negotiable instruments and other documents in connection with the maintenance of the bank accounts of the University.

CHAPTER NO.9

Terms and conditions of appointment of the Controller of Examinations

(Sec.12 (6) r/w Sec. 18 & 25 (1) (d) of the Adhiniyam

10.1 The Controller of Examinations shall be appointed by the Chancellor on the recommendation of the Committee of Selection constituted by him initially for a term of one year and subsequently for a term of four years if found satisfactory.

10.2 The Controller of Examinations shall receive such emoluments as determined by the Governing Body of the University / as mutually agreed with the approval of the sponsoring body.

10.3 The Controller of Examinations may by writing under his hand addressed to the Chancellor resign his appointment after giving three months notice of his intention to resign. Then Chancellor shall be the authority competent to accept his resignation.

10.4 The age of superannuation will be on attaining the age of 60 years.

10.5 The Controller of Examinations shall have the following powers and duties under the direct control and supervision of the Vice-Chancellor.

10.5.1 He shall be responsible for the conduct of all University examinations and it shall be his duty to arrange for the preparation, scheduling, marking and reporting of all the University examinations and for the payment of remunerations to question paper setters and examiners and all other incidental matters connected with University examinations, and shall submit the details of the expenses with supporting vouchers to the Chief Financial and Accounting Officer within 3 months of the publishing the results of the exam.

10.5.2 He shall be responsible for the safe custody of all papers, documents, certificates and other confidential files connected with the conduct of all University examinations.

10.5.3 He shall keep the minutes of Board of Examiners and all Committees appointed by the said Board.

10.5.4 He shall convene meetings and issue notice to the Board of Examiners and Committees appointed by them and conduct the official correspondence thereof.

10.5.5 He shall have the power to countersign the travelling allowance bills of examiners, paper setters and University employees deputed on examination purpose and other bills relating to University examinations.

10.6 He shall have powers:

10.6.1 To invite quotations for work connected with examination and sanction lowest when the expenditure does not exceed Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand only).

10.6.2 To sanction contingent expenditure for examination purpose up to a maximum of Rs. 1,000/- (Rupees One thousand only).

10.6.3 To sanction expenditure for printing where sanction of competent authority has been received for the work subject to the condition that such sanction shall not exceed Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand only).

10.6.4 To sanction purchase of stationery for examination purposes by inviting quotations and accepting the lowest up to a maximum of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand only).

10.6.5 He shall perform such other duties as may be prescribed by the Vice-Chancellor or conferred upon by the Board of Management.

10.6.6 The examiners and question paper setters shall be appointed by the Controller of Examinations with the prior approval of the Vice-Chancellor.

10.6.7 The Controller of Examinations shall, in the execution of his office be subject to the immediate direction and control of the Vice-Chancellor, and shall carry out his orders and render such assistance as may be required by the Vice-Chancellor in the performance of his duties.

10.6.8 The Controller of Examinations shall have such qualifications and experience as may be prescribed by the Board of Management from time to time.

10.6.9 The Controller of Examinations shall draw such salary, allowances and perquisites which shall be fixed by the Board of Management from time to time.

10.6.10 He shall be fully responsible for the timely and smooth conduct of the combined entrance test and the end semester/annual examinations.

10.6.11 He shall lay the guidelines for the setting up of the examination papers.

10.6.12 He shall appoint internal as well as external examiners through the examination committee for each subject and get at least 2 sets of the question papers prepared well in advance.

10.6.13 He shall appoint a moderation committee and get all papers moderated before these are sent for printing.

10.6.14 He shall ensure strict security and confidentiality of the examination papers.

10.6.15 He shall ensure timely dispatch of answer books and admit cards to all examination centres.

10.6.16 He shall be responsible for getting the answer books evaluated in accordance with the guidelines laid down by the paper setter. He shall be responsible for getting the result complied accurately and declared on time.

10.6.17 He shall be responsible for re-evaluation of the answer books on request from the students for a fee prescribed by the Board of Management.

CHAPTER No. 10

Appointment of Deans of the Faculty
(Section 12(6) of the Adhiniyam)

11.1 There shall be a faculty for each school of study in the University. The constitution of the faculty shall be in accordance with the provisions laid down in the Ordinance No. 9.

11.2 There shall be a Dean for each faculty in which the University is imparting education.

The Dean shall be appointed by the Chancellor on the recommendation of Vice Chancellor.

11.3. The term of Dean shall be for a period of two years from the date of appointment.

11.4. The Dean shall preside over the meeting of faculty and shall give opinion on the recognition of courses as and when referred for the courses of other Universities recognized by competent agencies or similar agencies in other countries.

11.5. The Dean shall perform such other duties as may be assigned to him from time to time by the Board of Management, Academic Council and Vice Chancellor.

11.6. The Dean shall be the Chairman of the faculty and all the Chairpersons of the Board of Management attached to the faculty / school shall be the members. The Chancellor may nominate experts if necessary.

11.5 The faculty shall ordinarily meet once a year.

CHAPTER NO.11

Academic Council

(Section 19(1) (3) of the Adhiniyam)

12.1. The Academic Council shall be the principal academic body of the University and shall, subject to the provisions of the Act, The Statutes, the Ordinances and the Regulations, coordinate and exercise general control and supervision over the academic policies, programmes of the University and be responsible for the maintenance of standards of education, teaching and training, interdepartmental co-ordination, research, examination and tests within the University.

12.2. The Academic Council shall consist of following members :

12.2.1 Vice Chancellor - Chairman
12.2.2 Deans of faculties of the University
12.2.3 Not more than three Professors of the University - Nominated by the Chancellor
12.2.4. Not more than three Centre Co-ordinators of the Off Campus Centres nominated by the Vice Chancellor.
12.2.5 Registrar - Secretary

12.3. One third of total members of Academic Council shall form the quorum. Provided that no quorum shall be necessary for adjourned meetings.

12.3. A member of the Academic Council shall cease to be a member in the following circumstances also.

12.4.1 If the Member resigns from the Academic Council.
12.4.2 If the Member becomes mentally unsound.
12.4.3 If the Member had been convicted of a criminal offence involving moral turpitude or any other reason, and a higher court has not stayed such conviction.
12.1.4 If the Member fails to attend three consecutive meetings of the Academic Council without leave of the Chairman.
12.4.5 If the member ceases to hold his office.

12.5 The Academic Council shall have the power to co-opt as members persons having special knowledge or experience in the subject matter of any particular business which may come before the

council for consideration. The member so co-opted shall have all the rights of the members of the council, except voting right.

12.6 All the members of the Academic Council other than ex-officio members referred in sub-para (c) shall hold the office for a term of three years.

12.7 The Academic Council shall meet once in a year or as often as may be decided by the Vice Chancellor.

12.8 The Academic Council shall have following powers and perform following duties.

12.8.1 To exercise general supervision over the academic policies of the University and to provide directions for methods of instructions and methodology of teaching for the improvement of academic standards.

12.8.2 To consider matters of general academic interest and to take appropriate action in this regard.

12.8.3 To assign departments to the faculties and to nominate its own members to the faculties.

12.8.4 To make proposals for the institution of fellowships, memberships, scholarships, studentships, exhibitions, medals and prizes and to make rules for their award.

12.8.5 To recommend the proposals for granting affiliations for the colleges / institutions of the University and for establishment of University Off-Campus Academic Centres / University Teaching Centres / Study Centres / Satellite Campus / Academic Centres / Regional Centres as prescribed in the act and statute.

12.8.6 To prescribe qualifications for recognition of persons as teachers of the University and to accord such recognition.

12.8.7 To make suggestions for the conduct of examination and arrange for the publication of the results.

12.8.8 To prescribe the qualifications for the award of Certificates, Diplomas, Degrees, Memberships and Fellowships.

12.8.9 To recognize eminent persons of any subject as Honorary Visiting Professor and to guide research in that subject.

12.8.10 To report and act on any matter referred to or delegated to it by the Board of Management.

12.8.11 To formulate different courses and programmes to be imparted to the students of the University.

12.8.12 To lay down the curriculum and frame syllabus for any of the courses and programmes offered by the University, and publish text books and other instruction and learning material for the same.

12.8.13 To innovate, constantly upgrade and improve the syllabus to emerging and futuristic technologies.

12.8.14 To formulate and modify or revise schemes for the organization of the faculties, colleges and schools and to assign to such faculties, schools and colleges their respective subjects and also to report to the Board of Management as to expediency of the abolition or division or combination of one faculty, colleges and school with another.

12.8.15 Make regulations for credit transfer/ equivalency and lateral entry of students from other Universities / Boards of Technical Education of India and abroad.

12.8.16 To promote research activities and programmes, and to ask for, from time to time, reports on such research activities and programmes from faculties, colleges and schools.

12.8.17 To recognize diplomas and degrees of other Universities and institutions located in India and abroad and to determine their equivalence in relation to the diplomas and degrees of the University on reciprocal basis in consultation with competent authorities / agencies / bodies.

12.8.18 To make regulations for awarding admission to UG (Under graduate), PG (Post graduate), Fellowship, Membership, Associateship, Diploma, Honours, Licenses and Titles of the University to such candidates who do not possess formal University / Technical Education Board / Secondary Board of Education qualification otherwise mandatory for admission to such courses but have quantifiable knowledge, skills and competencies in the related discipline.

12.8.19 To approve conferment of degrees, honours, diplomas, licenses, titles, memberships and fellowships and marks on the basis of the results declared.

12.8.20 To prepare such forms and registers as are, from time to time, prescribed by regulation and to perform, in relation to academic matters, all such duties and to do all such acts, as may be necessary, for the purpose of the provisions of the Act, Statutes, Ordinances and / to the regulations.

12.8.21 To make recommendations to the Board of Management on:

1. Measures for improving standard of teaching, training, consultancy, research and examinations.

2. Institution of Fellowships, Memberships and Associateships.

3. Institution of Exchange Programmes, Scholarships, Medals, Prizes etc.

4. Regulations covering the academic functioning of the Institute, discipline, residence, admissions, examinations, award of fellowships and studentships, freeship, concessions, attendance etc and submit the same to the Board of Management for approval.

12.8.22 To suggest measures for departmental co-ordination and interdisciplinary methodology of teaching.

12.9. The Academic Council may appoint a Standing Committee consisting of :

1. Vice Chancellor - Chairman

2. 3 Deans of faculties to be nominated by the Chancellor

3. Registrar - Secretary

The quorum for the meeting shall be three and that no quorum shall be necessary for the adjourned meeting.

12.10. The "Standing Committee" shall have following powers and shall perform following duties :

12.10.1 The meeting of the Committee shall be convened under the direction of Vice Chancellor.

12.10.2 It shall render advice on the award of Centre Transfer and on the equivalency of examinations of the other Universities / Agencies / Bodies, in consultation with the faculty, concerned.

12.10.3 It can dispose off any matter of Academic Council and report it at the next meeting of Academic Council.

12.10.4 Standing Committee may invite such persons who can render fruitful advice on the matters under consideration.

CHAPTER NO.12

Board of Studies

(Section 22 (3), 27 (1) © of the Adhiniyam)

13.1.1 There shall be a Board of Studies attached to each subject of study or group of subjects in the University:

13.1.2 Provided however that Post-Graduate studies in each subject may have separate Board of Studies.

13.2.1 There may be separate Boards of Studies in such branches of knowledge as the Governing Body may decide to deal with the matters relating to the Post - Graduate Studies.

13.2.2. The constitution and functions of the Boards of Studies shall be as hereinafter prescribed.

13.2.3. Each Board of Studies shall consists of
1) The Head of the Department of the University Teaching Department of the subject or group of subjects for which the Board is constituted.
2) Professors of the University Teaching Departments or group of subjects for which the Board is constituted.
3) Two teachers / experts of the subject nominated by the Chancellor
4) The Board may co-opt experts if needed with the consent of the Vice Chancellor.

13.2.4. The Boards of Studies shall be reconstituted once in three years.

13.2.5 Chairman and the Members of the Boards of Studies shall be nominated by the Chancellor. The number of such members shall be not less than 3 or more than 5.

13.2.6 No person shall be appointed as a Member of Board unless he is a teacher / eminent scholar in subjects or has special knowledge in the subject or one of the subjects with which the Board is concerned.

13.2.7 It shall be the duty of each Board of Studies to consider and report on any matter referred to it by the Academic Council or Board of Management or the Faculty or the Vice-Chancellor concerned with the subject with which it deals.

13.2.8 Each Board shall have power:-
1. To recommend for the guidance of teachers and students, books in which the prescribed subjects are suitably treated, and to recommend text-books when such are required.

2. To recommend persons suitable for appointment as question paper setters, examiners in the subject with which it deals.

3. To make recommendations in regard to courses of study and examinations in the subjects with which it deals.

4. To address the Faculty or Faculties concerned regarding improvements in the courses of study.

5. To consult specialists who are not members of the Board.

6. To recommend to the Academic Council, for being forwarded to the Board of Management for its approval the preparation and publication of selections or anthologies of the writings or works of authors and other masters in any subject or group of subjects; together with a synopsis of the selections or anthologies and the names of the authors and masters and of the persons who may in its opinion be appointed to make the selections; and

7. To bring to the notice of the Academic Council or the Board of Management, as the case may be, matters of importance relating to the examination in each subject or group of subjects.

13.3.1. Board of Studies shall ordinarily meet once a year; but the Vice-Chancellor may direct additional meetings to be held as and when necessary.

13.3.2. Meetings of a Board of Studies shall be convened by the Registrar at such times as may be necessary, or on the written request of not less than two-third of the number of members serving on the Board at the time.

13.3.3. Where in the temporary absence of the Chairman a meeting of a Board of Studies is required to be convened for the purpose of urgently dealing with any University business, the Registrar shall convene the meeting.

13.3.4. A joint meeting of two or more Boards may be held, when the Board of Management / the Academic Council / Vice Chancellor so direct, for the disposal of any question affecting those Boards. Such joint meetings shall be convened by the Registrar.

13.4.1. The Chairman of a Board shall preside at meetings of the Board. In the absence of the Chairman, the members present shall elect a Chairman for the meeting.

13.4.2. When a joint meeting of two or more Boards is held, the Vice Chancellor shall nominate a Chairman for the meeting.

13.5.1. The quorum for a meeting of any Board shall be one-third of the strength of the Board, fractions if any, being ignored.

13.5.2. The quorum for a joint meeting of two or more Boards shall be one half of the total number of members in those Boards. No quorum shall be necessary for adjourned meetings.

13.6.1. Except as hereinbefore provided, the ordinary law of meeting shall be applicable to the meetings of the Board of Studies.

13.7.1. Every resolution of the Board as it is passed should be recorded at the meeting and read out by the Chairman at the meeting itself.

13.7.2. The Chairman of the meeting shall send to the Registrar a copy of the minutes as approved at the meeting within ten days after the date of the meeting for further necessary action..

13.8.1. It shall however be open to the Vice-Chancellor, in urgent cases, to obtain the opinion of the Boards of Studies by circulation. Such opinion together with the action taken thereon shall be communicated to all the members.

Chapter No. 13

Honorary Degree / Fellowship/ Membership/Associateship

(Section 25(1) (g) of the Adhiniyam)

14.1 A proposal for conferment of Honorary Degree/Fellowship/Membership/Associateship shall be made by Academic Council.

14.2 The proposal for the Honorary Degree shall be placed before a Committee consisting of the Vice Chancellor, one eminent educationist not connected with the University and one educationist nominated by the Chancellor.

14.3 If the Committee unanimously recommends that an Honorary Degree be conferred on the person on the ground that he is in its opinion a fit and a proper person to receive such degree, its recommendation shall be placed before the Board of Management and the report of which shall be sent to the Chancellor for approval.

14.4 The honorary degree shall be conferred on the person either at a regular convocation as prescribed in the regulations to be made by the Board of Management or at a special convocation to be held for the purpose as may be decided by the Board of Management.

14.5.1. A proposal for conferment of Associateship / Fellowship / Membership shall be made by the Academic Council.

14.5.2. The proposal shall be placed before a Committee consisting of the Vice Chancellor and two eminent educationists nominated by the Chancellor.

14.5.3. If the Committee recommends after due evaluation that Associateship / Fellowship / Membership be conferred on the person on the grounds that he is in its opinion fit and proper person to receive such Associateship / Fellowship / Membership, its recommendation shall be placed before the Board of Management and report of which shall be sent to the Chancellor for approval.

14.5.4. The Associateship / Fellowship / Membership shall be conferred on the person either at a regular convocation as prescribed in the regulations to be made by the Board of Management or at a special convocation to be held for the purpose as may be decided by the Board of Management.

CHAPTER No.14

Other Officers of the University

(Section 12 (6) of the Adhiniyam)

15.1 In addition to the Officers mentioned in section 12(1) to (5) of the Adhiniyam and Statutes of the University, the other officers of the University would include the following:

15.1.1 Director - Planning and Development
15.1.2 Controller of Examinations
15.1.3 Director
15.1.4 University Librarian
15.1.5 Director Physical Education
15.1.6 Deputy Registrar
15.1.7 University Engineer /Estate Officer
15.1.8 Assistant Registrar
15.1.9 Legal Officer
15.1.10 Public Relations Officer
15.1.11 Auditor
15.1.12 Centre Coordinator

15.2. The University may have one or more posts of any category mentioned above as per needs and approval by the Chancellor/ Board of Management.

15.3. These officers shall be whole time salaried officers of the University.

15.4. The Officers shall draw salary as recommended by the University Grants Commission / or as mutually agreed by concerned officer with the Chancellor.

15.5. The Governing Body / Board of Management shall prescribe the qualifications and eligibility conditions for each category of officers and Chancellor shall appoint committees for selection.

15.6. No person shall be appointed to these posts unless they possess the qualifications laid down for the post approved by the Board of Management / Governing Body.

CHAPTER No.15

Terms and Conditions of Appointment of Other Officers

(Section 25(1) (d) of the Adhiniyam)

16.1 The Chancellor shall appoint a Committee for the selection of other officers which shall interview the candidates and prepare a panel of suitable candidates.

16.2 The Chancellor shall make suitable appointment from the panel given by Committee constituted for the Selection.

16.3 The officer appointed shall execute an agreement and follow the rules and regulations of the University.

16.4 The officers shall be entitled to the leave, allowances and other benefits prescribed by the University for its employees from time to time.

16.5 The powers and duties of the Officers shall be such as the Board of Management may determine from time to time.

CHAPTER NO. 16

Conditions of service of University Employees

(Section 25 (1)(e) of the Adhiniyam)

17.1 Save as otherwise provided in the Adhiniyam and statutes the provisions of this statute shall apply to all the Employees of the University appointed and paid by the University except for those whose services are taken on deputation from Centre/ State Government/Body Corporate and those who are appointed as consultancy / casual / part time /contractual basis.

17.2 In this statute

17.2.1. "Pay" means the amount of monthly basic salary of the employees and shall not include any special or additional pay granted to him and any other emoluments, which he draws as allowances and largesses.

17.2.2 "Average pay" means the average monthly pay earned during the ten complete months immediately preceding the months in which the employee proceeds on leave or is suspended.

17.2.3 "Vacation post" means a post involving teaching duties when employees are entitled to winter and summer vacations.

17.3 The post in the University shall belong to all classes and shall carry the scales of pay as recommended by the University Grants Commission or mutually agreed by the concerned officer with the Chancellor.

17.3.1 The Chancellor shall have the power to appoint the teachers and the officers of the University.

17.3.2 Subject to the control of Vice-Chancellor, the Registrar shall have the power to appoint class III, class IV workers and contingency paid staff of the University.

17.3.3 Save as otherwise provided in Statutes and the Ordinances, the qualifications of the post in various categories shall be determined by the Governing Body / Board of Management from time to time.

17.4 All the University employees shall be at the disposal of the University and he may be assigned duties in any manner required by the proper authority without claim of additional remuneration.

17.5 The Board of Management may permit a University employee to perform a specified service for a private person / body or

Government and to receive remuneration thereof in form of fee, if it is satisfied that this can be done without detriment of his official duties or responsibilities, provided that half the amount of fees so received shall be credited to General fund of the University.

17.6 The Head of the Branch, Department, and Institute under whom the employee is working shall send to Registrar in form prescribed by the University, a confidential report, every year not later than 30th April, on the work and conduct of the employee during the preceding year ending on 31st March.

17.7 The confidential report and the opinion stating the employee fitness or otherwise for confirmation in service must be sent to the Registrar by the head of Branch or Department or Institute, where the probationer is working at least one month before the date of expiry of the probation.

17.8 An appointment may be terminated by either party without assigning any reason by giving to the other one month's notice or one month's salary in lieu thereof. No such notice of payment of salary shall be necessary in case of termination of service or work charge or contingency paid employee including casual / contractual / part-time / ad-hoc / visiting persons / temporary / consultants.

17.9.1 If the appointing authority is not satisfied with the conduct of the employees including casual / contractual / part-time / ad-hoc / visiting persons / temporary / consultants , his services may be terminated. In case of termination of the service of the employee, one month's notice shall be given to him or in lieu of notice, he will be paid one month's salary. They may also terminate the engagement by giving one month's notice or one month's salary.

17.9.2 If the probationer was appointed by promotion and his work and conduct is not satisfactory the appointing authority may revert him to the post held by him before such promotion and such reversion shall not be deemed to be a penalty.

17.10 Before leaving the University service, all employees shall return to the University all articles entrusted to him for his use and clear all dues outstanding against him.

17.11. University employees excluding casual / contractual / part-time / ad-hoc / visiting persons / temporary / consultants, shall be entitled to leave as per the leave rules framed by Board of Management and approved by the Governing Body.

17.12. 1. The appointing authority may by an order place all employees, under suspension

17.12.1.1 When disciplinary proceeding against him is contemplated or is pending or

17.12.1.2 On confirmation of a prima facie case against an employee on the charges of financial

irregularities and/or unethical activities detrimental to the interest of the University.

Or

17.12.1.3 Where a case against him in respect of any criminal offence is under investigation, inquiry or trial.

17.12.2 All employees shall be deemed to have been placed under suspension by an order of the appointing authority

17.12.2.1 With effect from the date of his detention, if in the detained in custody, whether on a criminal charge or otherwise for a period exceeding 48 hours.

17.12.2.2 With effect from the date of his conviction, if he in the event of a conviction for an offence, he is sentenced to imprisonment and is not forthwith dismissed or removed or compulsorily retired consequent to such conviction.

17.12.3 An order of suspension made or deemed to have been made shall continue to remain in force until it is modified or revoked by the appointing authority.

17.13. The services of all the University employees may be terminated on any of the following grounds.

17.13.1 Wilful neglect of duty

17.13.2 Misconduct/indiscipline

17.13.3 Physical and mental unfitness

17.13.4 On the abolition of post held by him

17.13.5 Conviction by a court of law for an offence involving moral turpitude.

17.13.6 If the Board of Management feels that a particular staff is unfit to perform ,the responsibilities and duties assigned to him/her.

17.14.1 The appointing authority may for good and sufficient reasons, impose on any employee the following penalties.

17.14.1.1 Censure

17.14.1.2 Transfer

17.14.1.3 Recovery from his pay, whole or part of any pecuniary loss caused to the University by negligence or breach of order by the employee.

17.14.1.4 With holding the increments of pay.

17.14.1.5 Reduction to lower time scale of pay, grade or post.

17.14.1.6 Compulsory retirement.

17.14.1.7 Removal from service

17.14.1.8 Dismissal from service.

Besides the above penalties, reasonable fine may be imposed on class IV employee for petty carelessness, unpunctuality etc.

17.14.2 The appointing authority may institute the disciplinary proceeding against all the employees in accordance with the procedure laid down by the Board of Management.

17.15. Where the penalty is imposed by the Registrar, the employees may prefer an appeal to Vice-Chancellor within thirty days from the date on which order is served on the employees.

Part 4-Miscellaneous

17.16. Every employee shall at all times:

17.16.1 Maintain absolute integrity

17.16.2 Show devotion to duty; and

17.16.3 Do nothing, which is unbecoming of an employee of the University and against the interest of the University.

17.17. No employee shall join or continue to be member of such association the objects and activities of which are prejudicial to the interest of the University or public order, decency or morality.

17.18. No employee shall;

17.18.1 Participate in Public protests /Dharana/ Hartal/ demonstration.

17.18.2 Resort to any violence

17.18.3 Participate in editing, management of any print or electronics media without prior sanction of the University.

17.18.4 Divulge in any matter of the University an where other than the competent authority.

17.18.5 Take any employment elsewhere either full ti or part time without prior sanction from t University.

17.19. Any infringement of para 17.16 to 17.18 of this Chapter shall be regarded as subversive of good discipline and misconduct and will justify the initiation of disciplinary action against such employee.

17.20. The regular employees except part time / consultants/ contractual/ casual appointees, shall have a contributory provident fund as prescribed in the contributory provident fund act as amended from time to time.

17.21. The scales of pay of different categories of regular employees shall be, such as may be prescribed by the University Grants Commission and approved by the State Government and the Board of Management, applicable to the regular employees of the University, or as that of mutually agreed upon by the employee and the Chancellor.

CHAPTER No. 17

Arbitration to resolve Disputes

(Section 25(1)(f) of the Adhiniyam)

18.1. In the event of dispute arising between the employee, excluding casual/ consultant/ contractual/ part-time/ ad-hoc/ temporary/ visiting person, and the employer, on the request of the employee the Chancellor shall appoint an Arbitrator who shall listen to both the parties and pronounce his award.

18.2. The Board of Management shall consider the award and act as per directions of the Arbitrator to resolve the Dispute.

18.3. If either of the parties is not satisfied with the award they can approach the Chancellor to appoint a Tribunal.

18.4. The tribunal shall consist of following members :

18.4.1 A nominee of the Chancellor not connected with the University who will act as the Chairman.

18.4.2 The nominee of the aggrieved party

18.4.3 A nominee of the Board of Management

Provided that the aggrieved party shall approach the Chancellor within 30 days of the receipt of the award.

18.5. The decision taken by the tribunal shall be binding on both the parties.

18.6. The disputes regarding constitutions of authorities/bodies or nomination of any member in the authorities/bodies provided for by or under the Act/Statute/Ordinance shall be decided by the Chancellor in the manner he deems fit and his decision shall be final.

18.7. In the event of dispute arising between the students and the teachers / University, on the request of the students, the Chancellor shall appoint a committee of not less than three persons to settle the dispute.

CHAPTER No. 21

Provisions Regarding Number of Seats in Each Course

(Section 25(1) (k) of the Adhiniyam)

22.1. In each post graduate course the minimum and maximum number of students admitted per session shall be decided by a committee of experts appointed by the Board of Management. The University shall, however, decide the number of students to be admitted at a Centre depending on its infrastructure facilities and strength of faculties. In no case the number shall exceed the decided number per session for a particular course/batch at a particular centre.

22.2. At the graduate degree level each session of the class shall have a minimum and maximum strength which shall be decided by a committee of experts appointed by the Board of Management. The number of sessions which can be allowed at a particular centre shall be decided on the basis of the infra structural facilities available at the centre and the faculty strength.

22.3. At the Diploma level and Certificate level, each session of the class shall have a minimum and maximum strength which shall be decided by a committee of experts appointed by the Board of Management. The number of sessions which can be allowed at a particular centre shall be decided on the basis of the infra structural facilities available at the centre and the faculty strength.

22.4. The Expert Committee shall lay down the norms having details regarding the infra structural facilities and required strength for each course and place it before the Board of Management on being approved by it, it shall be strictly followed for deciding the seats in each course/batch at each centre.

CHAPTER NO.22

The Governing Body

Section 20 of the Adhiniyam

23.1. The Governing Body (Senate) shall be the supreme authority of the University.

23.2. The Governing Body (Senate) shall consist of Members as stipulated under the Adhiniyam.

23.3. The Chancellor is vested with the powers to preside over the Meeting of the Governing Body as its Chairman.

23.4. The Governing Body (Senate) shall also enjoy such other powers specifically laid under the Adhiniyam.

23.5. The Governing Body (Senate) shall hold 2 meetings preferably in June and December of a Calendar Year or as decided by the Chancellor.

23.6. A notice of 07 days shall be given to the members stating the agenda for the meeting. If any emergency arises for which the decision of the Governing Body is required, an emergency meeting may be convened at the decision of the Vice Chancellor at a short notice of not less than 2 days.

23.7. The quorum of the meeting shall be 5 members present in person.

23.8. Each member of the Governing Body including the presiding officer shall have one vote and decisions at the meeting shall be adopted by simple majority. In case of a tie, the Presiding Officer shall exercise a casting vote.

23.9. The Presiding Officer of the meeting shall cause the minutes of the meeting to be recorded and circulated to the members within a period of one month from the date of such a meeting.

23.10. The Chancellor may in exigencies take appropriate decisions and such decision shall be reported to the next meeting of the Governing Body.

CHAPTER NO.23

Board of Management

(Under Sec. 21 of the Adhiniyam)

24.1. The Meeting of the Board of Management (Syndicate) shall be chaired by the Vice Chancellor and the quorum shall be three.

24.2. The Board of Management is vested with powers to establish the Off-Campus Centres, affiliate colleges / institutions /Regional Campus / Study centres / Academic centres / Satellite Campuses of the University on the basis of the recommendations made by the Inspection Committee as appointed by the Chancellor. The establishment of such Centres and affiliation of colleges / institutions shall be made by the University directly or in association with local reputed educational agencies / institutions within various parts of India and abroad.

24.3. The Board of Management shall comprise of Members as stipulated by the Adhiniyam.

24.4.1. The Board of Management shall meet as often as necessary in the interest of the Chancellor. The meetings include Teleconferencing / Video conferencing with the approval of the Chancellor.

24.4.2. The meetings of the Board of Management shall be convened by the Registrar with the prior approval of the Vice Chancellor.

24.4.3. A notice of 7 days shall be given for the meeting provided that an emergency meeting may be convened at the decision of the Vice Chancellor at a short notice of not less than 2 days.

24.4.4. Each member of the Board including the Chairman/ presiding officer shall have one vote and decisions at the meeting shall be taken by simple majority, in case of a tie, the presiding officer shall exercise a casting vote.

24.4.5. The Registrar shall cause recording of minutes of the meeting, with the approval of the Vice Chancellor and circulate them to the members concerned within a period of one month from the date of the meeting.

24.4.6. The Vice Chancellor may under exigencies, in consultation with the Chancellor, take appropriate decisions and such decision shall be reported to the next meeting of the Board of Management.

24.5. The Board of Management shall have the powers to take all necessary decisions for smooth and efficient functioning of the University. The Registrar shall implement and execute all the decisions of the Board of Management. The powers shall inter - alia include but not be limited to the following:

24.5.1. **Staffing:**

24.5.1.1. To manage and administer general fund and properties of the University and to conduct all administrative affairs of the University not otherwise specifically provided for.

24.5.1.2. To create teaching, academic, administrative, ministerial and other necessary posts and to decide on the number, qualifications and cadre thereof, and to determine the emoluments for such posts in consultation with the expert committee as appointed by the Chancellor if needed.

24.5.1.3. To appoint Directors, Associate Director, Principals, Vice Principals, Deans, Associate Deans, Professors, Associate Professors, Assistant Professors, Senior Lectures, Junior Lectures, Research Associates, Project Associates, Centre Co-ordinators, Operational Staff, administrative, ministerial and other staff as may be necessary on recommendations of the selection committee.

24.5.1.4. To lay down rules in respect of the emoluments and duties of the various academic and non-academic staff recruited by the University.

24.5.1.5. To lay down rules for appointment of Visiting Fellows, Visiting Professors, Professor Emeritus, Consultants, Scholars and determine their terms and conditions of such appointments.

24.5.1.6. To appoint internal auditors to undertake audit of the various functions of the University.

24.5.2. **Academic Matters:**

24.5.2.1. To generally lay down, in consultation with the Academic Council, the academic policies, instruction and teaching standards policies relating to students admission, examinations and award of diplomas, degrees, certificates and other academic awards or distinctions.

24.5.2.2. To establish, on the advice of the Academic Council, Schools and Colleges, Satellite Campuses, Regional Campus, Study Centers, Off-Campus Academic Centers and Academic

CHAPTER No. 18

Exemption from tuition fee and Award of Scholarship

(Section 25(1) (h) of the Adhiniyam)

19.1. The assistance obtained from the Central Government, State Government or any other authority, funding agency etc. towards meeting full or in part any amount towards fee otherwise payable by students belonging to socially disadvantaged or economically weaker sections shall be disbursed strictly as per directions of the authorities providing such assistance.

19.2. It shall be the duty of the Registrar and the Chief Finance and Accounts Officer of the University to ensure that the students get the stipend exactly as per the directions of the funding agency.

19.3. The University will also make provisions for the award of scholarships and stipends from its own sources. The terms and conditions of the award shall be laid down in the ordinance made under section 27 (1) (d) of the Adhiniyam.

CHAPTER NO 19

Policy of Admission including Reservation of seats

(Section 25(1) (i) of Adhiniyam)

20.1. The admission to various courses shall be made as per the provisions laid down in the respective ordinance.

Provided that in the courses the University decides to admit the students on the basis of the entrance test held either by the University or by any body/agency on behalf of the University, the admission shall be granted on the basis of merit secured at the entrance examination for which the modalities shall be laid down by a committee appointed by the Board of Management.

20.2. The reservation of seats at each institution/centre in each course of study shall be as per rules framed for the reservation of seats for SC/ST/OBC and other categories and applicable on the University.

Provided that the seat of any reserve category remains vacant due to non-availability of the eligible candidates in that category it shall be filled up in the following order

SC & ST > OBC > OTHERS > GENERAL

Provided also that the candidates admitted under reserved category shall be required to pay the fees as decided by the University for course and that the paid vacant seats must be filled before the start of the academic session.

20.3. The Chancellor shall have the power to grant at least one admission to each course subject to a maximum of 2% of the total seats available in that course.

Provided that the admission shall be accorded only to those candidates who are eligible to be admitted to that course.

CHAPTER NO : 20

University Fund

(Under section 7 of Adhinayam '2002)

The University shall establish a fund which shall be called the General Fund which shall be credited to the following namely:-

21.1 Fees and other specific charges received by the University from the students.

21.2 Any contribution made by the Sponsored Body

21.3 Any income received from consultation and other works undertaken by the University in pursuance of its objectives

21.4 Trust, bequests, endowments and any other grants

21.5 All other sums received by the University from the students

21.6 The General Fund shall be used for the purpose enumerated in the act

21.7 The schools/institutions of the University shall create a separate development reserve for the purpose of creation of infrastructural facilities and its development, research and development, brand creation and development, teaching and learning techniques and development with modern technology, student welfare and recreational facilities development etc engaging experts/ agencies / organizations in India and abroad for specific purposes.

21.8 The modalities for the operations of the development reserve shall be formulated by an expert committee nominated by the Chancellor with the following members :-

21.8.1. One member of the Governing Body (Chairman)

21.8.2. One member from the Board of Management

21.8.3. One member sponsored from the Sponsoring Body

21.8.4. An expert member not connected with the University nominated by the Chancellor.

21.9 The quorum of the meeting shall be three. Each member, including the Chairman shall have one vote and all decisions shall be taken by simple majority. In case of a tie the Chairman shall have a casting vote.

21.10 The University with the approval from the Board of Management and the Chancellor has all the powers to borrow or raise finance by any means for the purpose of activities and development of the University which includes creation of a charge on the property of the University or its Sponsoring Body or its development collaborator.

Centers specific to a discipline of Higher Education and to allocate areas of study, teaching and research to them in India and abroad.

24.5.2.3. To institute Scholarships, Studentships, Stipends, Medals and Prizes in accordance with the regulation.

24.5.2.4. To engage any agency / organization to promote the University in India and abroad by way of infra structural development, research and development, brand creation and development, development of teaching and learning aids with modern techniques and international standards etc specifically for the purpose of development activities of the University for which a separate development reserve may be created as agreed upon between the University and the agency engaged for the development activities.

24.5.2.5. To lay down rules regarding the emoluments, traveling and other allowances of examiners appointed for examinations.

24.5.2.6. To acquire/disperse intellectual property rights, patents, copy rights, trade marks and the likes from any institution or organization, on such terms and conditions as the Board may determine, and pay such compensation for the acquisition as may be just and equitable.

24.5.3. Finance:

24.5.3.1. To consider and approve the budget of the University.

24.5.3.2. To manage and administer the revenues from the general fund, regulate the finance accounts, investments, property and all other administrative affairs of the University and for that purpose appoint such agent(s) as it may deem fit.

24.5.3.3. To approve the opening of account(s) of the University with any one or more banks in India and abroad and to lay down the procedure for operating the same.

24.5.3.4. Approve to draw, accept, make endorse, discount and negotiate securities of Government promissory notes, Bills of Exchange, cheques or other negotiable instruments.

24.5.3.5. Approve to receive and give grants, donations, contributions, gifts, prizes, scholarship fees and other moneys.

24.5.3.6. Approve to purchase, take on lease, accept as gift or otherwise any land or buildings or work which may be required for the purpose of the University on such terms and conditions as deemed appropriate and to construct or alter and maintain any such buildings or works.

24.5.3.7. Approve to transfer or accept transfer of any moveable property on behalf of the University.

24.5.3.8. To advise the Sponsoring Body on matters regarding acquisition management and disposal of any immoveable property on behalf of the University.

24.5.3.9. Approve to execute in consultation with the Sponsoring Body, conveyance, transfer, re-conveyances, mortgages, lease bonds, licenses and agreements in respect of property, moveable or immovable, belonging to the University or to be acquired for the purposes of University from the General Fund.

24.5.3.10. To provide building(s), premises, furniture, fittings, equipments, appliances and other facilities required for smooth functioning of the University.

24.5.3.11. To appoint, in order to execute an instrument or transact any business of the University, any person as attorney of the University with such powers as it may deem fit.

24.5.3.12 To advise for investment of the funds of the University or money entrusted to the University from the General Fund, in such securities and in such manner as it may deem fit and from time to time transpose any investment.

24.5.3.13. Approve to raise and borrow notes or other obligations or securities in consultation with the Sponsoring Body by providing properties and assets of the University as security, or borrow money without any securities, and upon such terms and conditions as it may think fit, and to pay out the funds of the University, all expenses, incidental to the raising of money and to repay and redeem any money borrowed.

24.5.3.14. To establish, maintain and operate the General Fund as stipulated in Section 7 and 8 of the Act and under provisions of the Statutes.

24.5.3.15. To maintain proper accounts and other relevant records and prepare Annual Statements of Accounts including Balance sheet for every previous financial year, in such forms as may be prescribed by the Regulations and submit the same to the Chancellor and the Governing Body for their approval.

24.5.3.16. To fix limits of the total non-recurring expenditure for a year on the recommendation of the Finance Committee.

24.5.4. **Student Affairs:**

24.5.4.1. To regulate and enforce discipline among the students of the University and to take appropriate disciplinary action wherever necessary.

24.5.4.2. To establish and regulate the maintenance of hostels for the students of the University and recognize hostels established by outside parties on the basis of the recommendations of a committee appointed for the purpose.

24.5.5. **Administrative and legal matters:**

24.5.5.1. Approve to enter into contracts, carryout or cancel contracts on behalf of the University and to do all such acts as are necessary to raise resources for furthering the objectives of the University.

24.5.5.2. To regulate and enforce discipline among the employees including casual / part-time / contractual / ad-hoc / visiting persons / temporary / consultants of the University and to take appropriate disciplinary action whenever necessary.

24.5.5.3. To entertain, adjudicate upon and if considered fit, to redress any grievances of the employees including casual / part-time / contractual / ad-hoc / visiting persons / temporary / consultants of the University, who may, for any reason feel aggrieved.

24.5.5.4. To select an emblem and the common seal for the University and provide for the custody and use of such a seal.

24.5.5.5. To conduct inspections and enquiries, in various departments, centres, institutions, satellite campuses, Off campus centres, Regional Campus, study centres, academic centres and affiliate colleges of the University and initiate corrective actions wherever needed.

24.5.6. **Formation of Committees:**

The Board of Management may form such Committees for such purpose(s) and with such powers as the Board of Management may deem fit and co-opt such persons on these committees as it deems fit.

24.5.7. **Delegation of Powers:**

The Governing Body and the Board of Management may by a resolution, delegate to the Vice Chancellor, Registrar, Chief Finance and Accounts Officer, Controller of Examinations, Standing Committee or the Ad-hoc Committee, such of its powers as it may deem fit, subject to the condition that the action taken by the Vice Chancellor or the Standing Committee or the Ad-hoc Committee, or any of their officers to whom such powers are delegated, shall be reported at the next meeting of the Governing Body and the Board of Management.

CHAPTER NO. 24

Provisions Regarding Fee to be charged from the students

(Section 25(1) (j) of the Adhiniyam)

25.1 The fee for each course of study shall be calculated for each student on the basis of total expenditure on the course and the seats earmarked for the course. This fee shall be charged as course fee per semester or per annual basis.

25.2 Each student shall also be charged the enrolment fee, Development fee, examination fee, etc. as provided in the Ordinance and in the regulations.

रायपुर, दिनांक 7 अक्टूबर 2003

क्रमांक एफ-73/112/उ.शि./03/38.—राज्य शासन, छत्तीसगढ़ निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) अधिनियम, 2002 की धारा 25 (2) के अंतर्गत "थामथ विश्वविद्यालय, रायपुर" के शासी निकाय द्वारा प्रस्तुत, विश्वविद्यालय की प्रथम सांविधियों को उप नियम (4) के अंतर्गत सहमति प्रदान करता है तथा उप नियम (5) के अंतर्गत प्रस्तुत 24 प्रथम सांविधियां अनुमोदित करता है.

यह सांविधियां राजपत्र में प्रकाशन दिनांक से प्रभावशील होंगी.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
आर. सी. सिन्हा, सचिव.

Chapter 1

Preliminary - Title - Short Title

THAMATH UNIVERSITY, RAIPUR

Established under section 5 of the Chhattisgarh Niji Kshetra Viswa Vidyalaya (Sthapana Aur Viniyaman) Adhiniyam 2002, vide Notification of the Government of Chhattisgarh No. F-73/112/H.E./03/38, dated 29-07-2003, and Gazette Publication dated 08-08-2003.

FIRST STATUTES

Made in accordance with provisions in Sections 25 of the Chhattisgarh Niji Kshetra Viswa Vidyalaya (Sthapana Aur Viniyaman) Adhiniyam 2002

1.0 Short Title, Extent and Commencement

1.1 These Statutes shall, hereinafter be called, The FIRST STATUTES of the 'THAMATH UNIVERSITY', 2003.

1.2 These First Statutes are applicable to 'THAMATH UNIVERSITY' and any matter relating and incidental thereto.

1.3 These First Statutes shall come into force on the date of publication of these First Statutes by the Government of Chhattisgarh in the Official Gazette.

1.4 The Registered office of the 'THAMATH UNIVERSITY' shall be located in the state of Chhattisgarh, India.

1.5 Branch Campus and office, Off Campus centers, Academic Center, Satellite campus, affiliated colleges and institutions of the Thamath University shall be established in Chhattisgarh and other states of India and abroad.

1.6 The medium of instruction for all the courses shall be English.

CHAPTER 2

DEFINITIONS

2.0 **Definitions (in alphabetic order)**
In these First Statutes unless and otherwise the context demands:

2.1 **Academic Centers** mean Distance Education Centers approved by the University for imparting education in formal mode in respect of any or all courses offered by the University and even in new innovative courses not offered by the University but approved by them and located within or outside the state of Chhattisgarh in India and abroad. Such centers shall be designated as Academic Centers (AC). Such centers shall function independently within the framework of the University norms.

2.2 **Academic Council** means the Academic Council constituted under Section 22 of the Act and provisions of these First Statutes

2.3 **Academic Staff** means such categories of teaching staff as are designated as academic staff by ordinances.

2.4 **Academic Year** ordinarily means two academic sessions
a) 15th January of every year to 14th January of the following year and
b) 15th September of every year to 14th September of following year, or the dates announced by the Academic Council for a particular academic session.

2.5 **Act** means, the Chhattisgarh Niji Kshetra Viswa Vidyalaya (Sthapana Aur Viniyaman) Adhiniyam 2002.

2.6 **Affiliation** means and includes together with its grammatical variations in relation to all institutions, colleges and schools recognition of such institution, colleges, and schools by, association of such colleges and schools with, and admission of such schools, colleges, institutions to the privileges of, the University. These institutions, schools and colleges may be located in or outside the state of Chhattisgarh, which includes outstation and foreign countries.

2.7 **Authorities** means authorities mentioned under Section 19 of the Act, and provisions of these First Statutes.

2.8 **Board of Management** means the Board of Management of the University constituted under Section 21 of the Act and provisions of these First Statutes.

2.9 **Board of Studies** means the Board of Studies of the University for each subject or group of subjects constituted by the Academic Council.

2.10 **Chancellor** means the Chancellor of the University as mentioned in Section 14 of the Act and provisions of these First Statutes.

2.11 **Chapter** means a Chapter of these First Statutes.

2.12 **Chief Finance and Accounts Officer** means an officer appointed as per Section 17 of the Act and the provisions of these First Statutes.

2.13 **Committee** means all committees constituted under various Sections of these First Statutes.

2.14 **Common Seal** means the authoritative seal of the University established under Section 6 of the Act.

2.15 **Controller of Examinations** of the **University** means an officer appointed under Section 18 of the Act and the provisions of these First Statutes.

2.16 **Courses** include programmes and courses of studies imparted in formal mode and / or in non - formal/ distance education mode in the institutions, colleges, schools, Off-campus centers, Regional centers, Academic Centers, Study Centers and satellite campuses.

2.17 **Credit Transfer** means transfer and acceptance of weightage / credits of the programmes/ courses offered by various educational institutions, bodies and agencies in India and abroad, as approved by the University, for pursuing various programmes / courses offered by the University, including lateral entry as approved by the Academic Council.

2.18 **Dean (Faculty)** means the person responsible for the academic co-ordination, the upkeep, development and proper utilization of infrastructure facilities of the respective schools and fulfills the academic requirements of the systems.

2.19 **Department** means a University department of study and / or research or a department functioning for specific purposes by the University or through affiliation.

2.20 **Development Reserve** means the contribution given to the University or respective schools of the University which includes the development of the infrastructure, brand creation, research and development, creation and development of facilities, students/teachers/staff welfare etc, as decided by the Board of Management.

2.21 **Distance Education** means the education / courses / programmes / membership and continuing education offered to the students on the off campus mode. It includes various systems imparting education through any means of communication such as broadcasting, contact programs, Internet, e- learning or the combination of any two or more of such means.

2.22 **E - learning** the education / course / programmes offered by the University through electronic and such other media by online methods as approved by the Academic Council and the Board of Management.

2.23 **Finance Committee** means the Finance Committee constituted under Section 23 of the Act and provisions of these First Statutes.

2.24 **Financial Year** means the period commencing on the 1st of April of any year and ending with 31st March of the following year or any period as prescribed by the Governing Body.

2.25 **Fund** means the General Fund established under Section 7 of the Act and provisions of these First Statutes.

2.26 **Government** means the Government of the State of Chhattisgarh.

2.27 **He** includes She and His includes Her.

2.28 **Head of the Department** means the officer in charge of the Department / Branch of study who is responsible for its academic and administration including day to day working under the supervision and control of the respective Dean.

2.29 **Institute** means and includes institute, institution, school and college constituted as part of the University to impart education in specified disciplines located within or outside the State of Chhattisgarh in India and / or abroad, which includes Membership and Continuing Education.

2.30 **Main Campus** means the campus of the University colleges and schools located in the State of Chhattisgarh, India.

2.31 **Manual of Instructions** includes all rules, procedures, instructions and systems laid down by various Committees, Boards, Authorities, Officers of the University, and is approved by the Board of Management of the University, and modified for the purposes of smooth functioning of the University.

2.32 **Off Campus Centers** means Distance Education Centers / Institutions approved by the University for imparting education in formal / distance mode, in respect of any or all courses offered by the University and even new innovative courses not offered by the University at present but approved by them and located within or outside the State of Chhattisgarh in India and abroad. Such centers shall be designated as Off Campus Academic Centers (OCAC). Such centers shall function independently within the framework of the University norms.

2.33 **Ordinance** means ordinances issued by the University as prescribed by the Section 27 of the Act.

2.34 **Regional Administrative Offices** means regional administrative offices of the University established in various locations outside the state of Chhattisgarh and abroad, for administrative convenience as approved by the Board of Management.

2.35 **Regional Campus** means institutions/ schools/ colleges established directly by the University in various locations, outside the state of Chhattisgarh and abroad to impart education through regular / distance education mode, as approved by the Board of Management.

2.36 **Registrar** means the officer appointed within the meaning of Section 16 of the Act and provisions of these First Statutes.

2.37 **Regulations** mean Regulations made under Section 37 of the Act.

2.38 **Rules** mean the Rules made under Section 36 of the Act.

2.39 **Satellite Campus** means institutions / schools / colleges established directly by the University in various locations, outside the State of Chhattisgarh and abroad to impart education through regular / distance education mode, as approved by the Board of Management.

2.40 **Schools** means a group of departments or branches of study in the University for imparting formal and or non-formal / distance education mode/continuing education programme as decided by the University.

2.41 **Sponsoring Body** means Thamath Educational Foundation, 201, II Floor, Raipur Commercial Complex, Raipur, under the provisions of Chhattisgarh Nizi Kshetra Viswavidyalaya (Sthapana Aur Viniyaman) Adhiniyam, 2002, and Chhattisgarh Societies Registrikaran Adhiniyam 1973 (No.44 of 1973) and founded by Universal Empire Group of Educational Institutions.

2.42 **Staff** means the teaching and non-teaching employees of the University who are on the payroll of the University and does not include any casual, temporary, contractual, ad hoc employees, consultants or visiting persons who may be engaged for a specific assignment or task.

2.43 **States** means the states of the Republic of India.

2.44 **Statutes** means the Statutes made under Section 25 and 26 of the Act and includes the amendments, alterations and modifications to the Statutes, made from time to time.

2.45 **Student** means a student of the University and includes any person who is enrolled to pursue any course of study at the university at Main Campus and Regional Campuses, any

institute of the University, Off Campus centres, Academic centers, Satellite campus, Study centers and Colleges affiliated to the University including Credit Transfer students.

2.46 **Study Center** means Distance Education Centers approved by the University for imparting education in formal mode in respect of any or all courses offered by the University and even new innovative courses not offered by the University but approved by them and located within or outside the state of Chhattisgarh in India and abroad. Such centers shall function independently within the framework of the University norms.

2.47 **University** means the Thamath University established under Section 5 of the Act and will have the same meaning as stated in Section 2(f) of the University Grants Commission Act 1956 as amended time to time.

2.48 **Vice Chancellor** means the Vice Chancellor of the University appointed within the meaning of Section 15 of the Act and provisions of these First Statutes.

2.49 **Visitor** means the Visitor as defined under Section 13 of the Act.

Chapter 3
Objects of the University

3.0 **Objects of the University** The objects of the University are listed in succeeding paragraphs:

3.1 To provide a specialized, high quality education in all branches as preparation of professionals in business, service, industry and government.

3.2 To establish main campus in the State of Chhattisgarh, regional campus outside Chhattisgarh which includes foreign countries, regional administrative offices, and to affiliate Colleges / Institutions, approve Study Centers, Academic Centers, Off Campus Academic Centers / Institutions, and run Satellite Campus (es) at different locations in India and abroad.

3.3 To use traditional and modern instructional techniques and technologies to the best advantage in the delivery system so as to enhance and enrich students' achievement to the best of their educational and career goals.

3.4 To offer quality educational programmes through on campus, affiliated campus, regional campus, off campus and institutes for the advancement of continuing education through membership and fellowship programmes and also to award degrees, diplomas, certificates, memberships, fellowships and other academic distinctions on the basis of assignments as laid down by the academic council.

3.5 To offer continuing education, distance education and online education programmes.

3.6 To provide educational opportunities to persons already employed or engaged in business, allowing them to pursue diploma / degree / Research, Membership/ Fellowship programmes without interrupting their work and without any compromise on the quality education.

3.7 To pursue innovations and develop new methods and technologies for delivery of education and development of instructional materials.

3.8 To use modern information and communication technologies to the maximum extent possible in all phases of academics as well as administrative aspects of the University programmes to ultimately achieve online instructional methodology and paperless concept.

3.9 To offer high quality programmes to business and service organizations for staff training and management development to enhance corporate productivity and efficiency, and also to meet the manpower requirements, to make an Indian fit for the global scenario.

3.10 To improve the quality, talent, values and skills of individuals to help them lead their lives as successful professionals and fit, responsible and socially acceptable citizens.

3.11 To explore the frontiers of knowledge through independent and need-based research, as well as collaboration with other entities in business or education having similar goals.

3.12 To aggressively pursue improvements in the quality of higher education through dedication and commitment to teaching, training and research, giving special emphasis and care in students welfare programmes.

3.13 To help develop industry by extending consultancy services, research and development to improve its quality and productivity.

3.14 To encourage and promote research activities and set up centres of excellence for pure and applied research and development, and institute awards and fellowships for undertaking research at University as well as at other Institutions/Centers of the University in India and Abroad.

3.15 To affiliate, recognize or collaborate with any other college, University, research institution, industry association, professional association or any other organization in India or abroad. to conceptualize, design and develop and run specific educational and research programs, training programmes, exchange programmes and any such other programs which the University may consider appropriate for students, faculty members and others, which includes credit and equivalency of the other courses and programs offered by various educational institutions. Bodies and agencies in India and abroad, as approved by the University.

3.16 To undertake surveys, studies and consultancy for any organization in India or abroad.

3.17 To undertake programs for training and development of faculty members of the University and other institutions in India or abroad.

3.18 To undertake collaborative research with any organization in India or abroad, and undertake commercialization of technologies.

3.19 To develop, register and license all forms of intellectual property rights including trademarks, copyrights, know-how and patents, etc.

3.20 To conceptualize, design, develop and commercialize various products, equipment and machinery as part of the research and development activity.

3.21 To establish state-of-the-art facilities for the promotion and advancement of education, training and research activities.

3.22 To establish examination centers wherever necessary.

3.23 To confer honorary degrees and other academic distinctions in the manner laid down in the Statutes.

3.24 To encourage sports, cultural and co-curricular activities for the students and the staff.

3.25 To pursue any other objective as may be approved by the Governing Body within the framework of the University Act.

3.26 To pursue any other objective as may be approved by the State Government.

3.27 To popularize and spread Indian educational methodology and values for the welfare and development of mankind across the globe.

3.28 To undertake such programs and activities as are essential to or supportive of the achievement of the above listed objectives.

3.29 To do all things necessary to promote the above objectives.

CHAPTER NO. 4

Powers of the Visitor
(Section 13 of the Adhiniyam)

4.1 His Excellency the Governor of Chhattisgarh shall be the Visitor of the Thamath University.

4.2 The Visitor may present and preside over the Convocation function of the University for conferring the Diploma, Fellowship and Memberships to the students under the University.

4.3 The Visitor can call for any information or records relating to the affairs of the University.

4.4 The Visitor shall enjoy the powers to issue directions as he may deem fit in the interest of the University for non-compliance of the Adhiniyam, Statutes, Regulations, Ordinances, Rules and such other directions issued by him shall be complied with by all concerned.

CHAPTER NO.5

Powers of the Chancellor
(Section 14(4) (d) of the Adhiniyam)

The Chancellor shall have the following powers as listed in Section 14(4) (a) to (d) of the Adhiniyam:

5.1. The Chancellor shall be the head of the University and shall preside at the convocation of the University in the absence of the visitor.

5.2. All the authorities of the University shall be subordinate to the Chancellor.

5.3. To appoint the Vice-Chancellor.

5.4. To remove the Vice-Chancellor.

5.5. To call for any information or record.

5.6. The Chancellor shall when an emergency arises have the right to suspend or dismiss any of the authorities of the University and to take further action for the interim administration of the University.

5.7 It shall be the duty of the Chancellor to ensure that the provisions of the Act, Statutes, Ordinances, Regulations, Rules, By-Laws are faithfully observed and carried out and he shall have all powers necessary for this purpose.

5.8 The Chancellor shall be the representative of the University in all the Associations in Indian / Commonwealth Universities and other similar bodies or associations in India or abroad, in which the University is a member. He may depute suitable officers in his absence.

5.9. The Chancellor may, by order in writing, annul any proceeding of any of the authorities of the University which is not in conformity with this Act, the Statutes, the Ordinances, the Regulations and the Rules in the interest of the University, provided that, before making any such order, the Chancellor shall call upon such authority to show cause why such an order should not be made and consider the cause, if any, shown by such authority within a reasonable time.

5.10 Every proposal for the conferment of an honorary degree shall be subject to confirmation by the Chancellor.

5.11. The seniority of the Professors of the University shall be determined by the Chancellor on the basis of the length of service as Professor. The seniority of a Professor of University shall be decided by the Chancellor with reference to the date of first appointment in his grade. In the case of those Professors whose date of first appointment is the same, the seniority shall

be decided by the Chancellor with reference to age, the older being senior. The Chancellor is also to consider the merit and aptitude of Professors as determining factors whilst fixing their seniority.

5.12. The Chancellor shall hold his office for a period of 3 years and his terms and conditions shall be as fixed by the Sponsoring Body of the University and also subject to the provisions of the Adhiniyam.

5.13. The Chancellor shall have such other powers as may be conferred on him by the Act or the Statutes.

5.14 In addition, the Chancellor shall also have following powers:

5.14.1. To constitute such committees, as he deems necessary to help him in discharge of duties entrusted to him by or under the Adhiniyam.

5.14.2. To appoint the Registrar.

5.14.3. To remove the Registrar.

5.14.4. To appoint the Chief Finance and Accounts Officer.

5.14.5. To remove the Chief Finance and Accounts Officer.

5.14.6. To interpret the Act.

5.14.7. To give effect to what is not covered in the Statutes.

5.14.8. To accord sanction for all works, original or repairs.

5.14.9. To accept tenders for works and tenders/quotations for supplies.

5.14.10. To sanction increments to all employees of the University.

5.14.11. To take disciplinary action against any officer of the University.

5.14.12. The Chancellor shall be the chairman of the Governing Body and the head of the University.

5.14.13. The Chancellor may if required delegate his powers to the officers of the University he may deem fit in the best interests of the University.

5.14.14. The office of the Chancellor may be located anywhere in India or abroad.

CHAPTER NO. 6

Terms and conditions of Appointment of Vice-Chancellor His powers and duties (Section 25(1) (b) read with Section 15 (1) of the Adhiniyam)

6.1. The Vice-Chancellor shall be appointed by the Chancellor from panel of three persons recommended by the Governing Body for a term of four years and shall not be eligible for reappointment for more than two terms, provided that he shall cease to hold the office on attaining the age of 65 years and provided that he is not below the rank of Dean / Professor.

Provided further that not withstanding the expiry of his term he shall continue to hold office, if the Chancellor so directs until his successor is appointed and enters the office but this period shall not in any case exceed six months.

6.2. The Vice-Chancellor shall be the principal executive and academic officer of the University, who shall exercise general supervision and control over the affairs of the University and give effect to the decisions of all the authorities of the University. He shall receive salary recommended by University Grants Commission and approved by the State Government from time to time plus other allowances admitted by the Governing body from time to time or as mutually agreed by the Vice-Chancellor and the Chancellor.

6.3. During the tenure of office the Vice-Chancellor shall be entitled to have a rent free furnished accommodation maintained by the University. He shall be entitled to use a University vehicle for official purposes. The Vice-Chancellor shall also be eligible to use the University vehicle for private purposes and for such journeys he will be liable to pay such charges as are prescribed by Government for private use of Government vehicle by officers on the basis of kilometres involved in private use.

6.4. The Vice-Chancellor shall be entitled to other benefits such as medical allowance and leave travel concessions as admissible to other University employees.

6.5. The Vice-Chancellor shall be entitled to travelling allowance from place of his residence on his appointment as Vice-Chancellor and after relinquishment of his charge.

6.6. The Vice-Chancellor shall have power to constitute such committees, as he deems necessary to help him in the discharge of the duties entrusted to him by or under the Adhiniyam, as approved by the Chancellor.

6.7. The Vice-Chancellor shall have power to sanction an allowance to any employee of the University for any special duty assigned to such employee for additional duties performed by him which in the opinion of Vice-Chancellor warrants such payment, with the consent of the Chancellor, provided that such allowance shall not

exceed 20% of the basic salary of such employee, provided also that the period of such allowances shall not exceed six months.

Provided further that any action taken under this clause of Statute shall be reported to Board of Management at its next meeting.

6.8. The Vice-Chancellor shall exercise such other powers as may be given to him/her by the Chancellor and the Governing Body from time to time.

6.9. Subject to the control of the Chancellor and the Board of Management, the Vice-Chancellor shall exercise such financial powers as laid down in the financial regulations approved by the Board of Management.

6.10. The Vice-Chancellor shall have the right to visit and inspect Colleges and other Institutions maintained by or affiliated to the University. He shall have the powers to depute a nominee to inspect and submit report on the functioning of the Colleges / other Institutions in accordance with the Statutes, Ordinances, Regulations, Rules, etc..

6.11. The Vice-Chancellor shall see that the proceedings of the University are in accordance with the Act, Statutes, Ordinances, Regulations, Rules & By-Laws and to report the same to the Chancellor for further action in conformity with the above provisions.

6.12. The Vice-Chancellor may, by writing under his hand address to the Chancellor, resign his office after giving one month's notice with his intention to do so.

6.13. The Vice-Chancellor is empowered to sanction grants / grant-in-aid to affiliated Colleges / other Institutions from the University funds, inclusive of the general fund, in consultation with the Chancellor.

6.14 The Vice Chancellor is empowered to sanction grants, grants in aid to affiliate colleges and other institutes from the University's General fund with the consent of the Chancellor.

6.15. The Vice-Chancellor may be deputed on University business to any part of India or abroad.

6.16. In the event of a temporary vacancy occurring in the office of the Vice-Chancellor, or where the Vice-Chancellor is temporarily absent, the Registrar shall exercise the powers and perform the duties of the Vice-Chancellor.

6.17. The Vice- Chancellor shall be the ex-officio member of the Governing Body, Board of Management, Academic Council and such other committees that may be set up by the Board of Management from time to time.

6.18. If in the opinion of the Vice- Chancellor it is necessary to take immediate action on any matter for which powers are conferred on any other authority by or under the act, he may take such actions as he deems necessary in consultation with the Chancellor and shall at the earliest opportunity hereafter report his action to such officer or authority as would have in the ordinary course dealt with the matter. Provided that if in the opinion of the concerned authority such action should not have been taken by the Vice-Chancellor then such case shall be referred to the Chancellor whose decision there on shall be final.

Provided further that where any such action taken by the Vice-Chancellor affects any person in the service to the University, such person shall be entitled to prefer, within three months from the date on which such action is communicated to him, an appeal to the Chancellor and the Chancellor may confirm or modify or reverse the action taken by the Vice-Chancellor.

6.19 If in the opinion of the Vice- Chancellor any decision of any authority of the University is outside the powers conferred by the Act, Statutes or Ordinances is likely to be prejudiced to the interests to the University, he shall request the concerned authority to revise its decision within seven days from the date of its decision and in case the authority refuses to revise such decision wholly or party or fails to take any decision within seven days, then such matter shall be referred to the Chancellor and his decision thereon shall be final.

6.20 If at any time upon representation being made or otherwise, and after making such enquiries as may be deemed necessary, the Chancellor on the recommendations of the Governing Body may by an order in writing stating the reasons therein, ask the Vice-Chancellor to relinquish his office from such dates as may be specified in the order.

CHAPTER NO. 7

Terms and conditions of Appointment of Registrar His duties and powers (Section 25(a) read with section 16(1) of the Adhiniyam)

8.1 The period of appoint of the Registrar shall be one year in the first instance. He shall be a whole time salaried officer of the University and be appointed by a written order. The written order of his appointment shall be lodged with the Chancellor

8.2 The Registrar shall receive salary in the pay scale prescribed by University Grants Commission and admitted by the Governing Body from time to time or as mutually agreed by the Registrar and the Governing Body. He shall draw allowance admitted by Governing Body from time to time.

8.3 No person shall be eligible for appointment as Registrar unless he/she possesses the minimum qualification as applicable for the post and as determined by the Governing Body from time to time.

8.4. The Registrar shall be a full time salaried officer of the University.

8.5. The Registrar shall be entitled to leave, leave salary allowances and other benefits as may be prescribed by the University for its employees.

8.6. The Registrar may by written under his hand address to the Chancellor, resign his appointment after giving three months notice of his intention so to do. The Chancellor shall be the authority competent to accept his resignation.

8.7. The Registrar shall devote all his time to the duties of his office and shall not absent himself from work without the permission of the Vice-Chancellor. If the period of absence is one month, prior sanction shall be obtained from the Vice-Chancellor and if the period of absence is for and above three months permission shall be obtained from the Chancellor.

8.8. In the event of a temporary vacancy occurring in the office of the Registrar, it shall deem fit to carry on the duties of the Registrar by the officer as designated by the Chancellor.

8.9. The Registrar shall be ineligible for election to any of the authorities/bodies of the University.

8.10. The Registrar shall be appointed by the Chancellor on the recommendation of the Committee of Selection constituted by him for a term of 4 years. Provided also that he shall cease to hold the office on attaining the age of 60 or as prescribed by the Governing Body from time to time.

8.11 **Duties of the Registrar**

8.11.1 Duties -It shall be the duty of the Registrar: -

8.11.1.1 To be the custodian of the records, the common seal and such other property of the University, as the Governing Body shall commit to his charge.

8.11.1.2 To issue all notice for convening the meetings of the Governing Body, the Board of Management, the Academic Council and other Authorities, Bodies and Committees declared by the Statutes and authority of the University under the direction of Chairperson of the concerned authority / body / committee. He shall act as Secretary of all these Authorities, Bodies and Committees.

8.11.1.3 To keep minutes of all the meetings of all the Authorities, Bodies and Committees and to execute the decision taken by them.

8.11.1.4 To conduct all official correspondence of the University.

8.11.1.5 To arrange for and appointment of superintends for the conduct of the examinations of the University.

8.11.1.6. To send the following documents to the Visitor and Chancellor, if called for.

a) Copies of the agenda of the meeting of the Governing Body, Board of Management and Academic Council as soon as such agenda is issued.
b) The minutes of the meeting of the authorities mentioned in 6A(vi)(a) above.
c) Such other papers and informations as the Visitor and Chancellor may direct him to supply.

8.11.1.7 To exercise all such powers as may be necessary or expedient to carry out the orders of the Chancellor / Vice Chancellor and the Governing Body and the Board of Management and various authorities, bodies and committees.

8.11.1.8 To discharge such other functions as may be assigned to him from time to time by the Chancellor, the Board of Management and Vice-Chancellor.

8.11.1.9 To perform such other duties as may from time to time, be entrusted to him by the Statutes, Ordinances, Regulations and Resolutions of Authorities; and

8.11.1.10 To render such duties and assistance as may be desired by the Chancellor and Vice Chancellor in the performance of his official duties.

8.11.1.11 To maintain a register of graduates, register of matriculates, register of donors, a register of endowments, register of registered graduates, other registers as are or may be prescribed by the law of the University from time to time.

8.11.1.12 To manage, under the direction of the Board of Management the property and investment of the University.

8.11.1.13 To sign contracts and other agreements on behalf of the University under the direction of the Board Of Management/ Chancellor.

8.12 Powers **of the Registrar**

8.12.1 Subject to the control of Board of Management, the Registrar shall have powers to appoint class III and IV employees of the University and shall exercise disciplinary control over them.

8.12.2 The registrar shall explain the agenda if desired by the Chairman of any Authority, Body or Committee,

8.12.3 Subject to the control of Board of Management and approval of the Chancellor, the Registrar shall have financial powers including the borrowing of loans for the University and execution of the contracts on behalf of the University.

8.12.4 Subject to the general direction and control of the Vice-Chancellor, the Registrar shall be in charge of the administration of the University office and shall have the power to fix and define the functions and duties of the officers and employees of the University.

8.12.5 He shall take prompt steps for the effective working of the University office, subject to the prior approval of the Chancellor / Vice-Chancellor.

8.12.6 The Registrar shall also have power to sanction leave of all kinds except leave without allowance for a period exceeding 4 months, special disability leave and study leave to all employees up to and inclusive of Section Officers.

8.12.7 To sanction increments to all employees of the University subject to the approval of the Board of Management.

8.12.8 To sanction purchases for the use of the University Office, up to Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand only) in each case.

8.12.9 To sanction concessional charges for the use of the University vehicles according to the rules in this regard.

8.12.10 To forward application from non-gazetted employees, to appointment outside, subject to the service conditions laid down in the Statutes.

8.12.11 To sanction refund of security deposits and similar other deposits not exceeding Rs. 1,000/- (Rupees One thousand only) on the basis of the recommendation of the Heads of Departments.

8.12.12 To sanction expenditure on the printing of reports, proceedings etc at private presses when the works are based on the lowest among the quotations subject to budget provision.

8.12.13 To sanction expenditure on account of bills in respect of notifications published in the Government Gazette and newspapers subject to the budget provision and with the approval of the Vice Chancellor.

8.12.14 To sanction expenditure on account of bills for printing works done subject to budget provisions.

8.12.15 To call for and accept quotations for printing minutes of meetings, reports etc based on the lowest among the quotations.

8.12.16 To sanction the intends for stationery articles from the private source and to issue articles to the subordinate institutions according to necessity.

8.12.17 To sanction according to the rules of refund or release of deposits other than a security deposit for work after satisfactory fulfilment of contract.

8.12.18 To sanction claims for refund of revenue like examination and other fees according to the rules, up to Rs. 1,000/- (Rupees One thousand only) in each case.

8.12.19 To engage labourers for carrying out office work on casual basis.

8.12.20 To sanction payment of salary and pension contribution to Government on account of deputation of staff to the University from Government Departments.

8.12.21 To sanction refund of deposits or earnest moneys, securities for work etc not exceeding Rs. 1,000/- (Rupees One thousand only) on the basis of the recommendation of the Heads of the Departments.

8.12.22 To sanction departmental advances up to a maximum of Rs. 1,000/- (Rupees One thousand only) to meet an expenditure of urgent nature subject to the rules and procedures followed by the University against the specific budget provision.

8.12.23 To sanction the use of University premises at concessional rates.

8.12.24 To represent the University in suits or proceedings by or against the University, sign Power of Attorneys and the pleadings or depute his representives for this purpose.

8,12,25. To submit information, reports and documents to the Government, University Grants Commission and other Government authorities.

8.12.26. The registrar shall be the ex-officio non-member secretary of the Board of Management and ex-officio secretary of the Academic Council and such other authorities and bodies as may be constituted by or under the Act, the Statutes and the Ordinances as recommended by the Board of Management.

8.12.27. In the event of temporary absence of any office / officer in the University other than the Vice Chancellor, the Registrar shall automatically assume of the charge of office / officer until substitute arrangements are made.

8.12.28 The Registrar shall be competent to transfer the employees including casual / contractual / temporary / ad-hoc / part-time / consultants / visiting persons, working under the University as well as the Institutions directly run by the University.

CHAPTER No.8

Terms and conditions of Appointment of Chief Finance and Accounts Officer His duties and powers (Section 25 1 (c) read with section 17 (1) of the Adhiniyam)

9.1 The Chief Finance and Accounts Officer shall be appointed by the Chancellor on the recommendation of the Committee for the selection constituted by him.

9.2 The Chief Accounts Officer shall receive salary in the pay scale prescribed by the University Grants Commission and admitted by the Board of Members from time to time or as mutually agreed by the Chief Finance and Accounts Officer and the Governing Body.He shall draw allowance admitted by the Governing Body from time to time.

9.3. No person shall be eligible for appointment as Chief Finance and Accounts Officer unless he/she possesses the qualification laid down by the Governing Body for the post from time to time.

9.4. The Chief Finance and Accounts Officer shall be entitled to leave, leave salary allowances and other benefits as may be prescribed by the University for its employees.

9.5. The Chief Finance and Accounts Officer shall be full time salaried officer of the University.

9.6. Duties and Powers

9.6.1. Subject to the control of Chancellor / Vice-Chancellor, the duty of the Chief Finance and Accounts Officer shall have the following powers and duties.

9.6.1.1 To hold and manage the property and investments of the University.

9.6.1.2 To ensure that the limits to be fixed by the Board of Management for recurring and non-recurring expenditure for the year are not exceeded and that all moneys are spent for the purpose for which they are granted or allocated.

9.6.1.3 To keep a constant watch on the state of cash and bank balances and on the state of investments.

9.6.1.4. To collect the income and disburse the payment and maintain the accounts of the University through the Chief Finance and Accounts Officer of the University and to see that all moneys in the University General Fund are utilized for the purpose for which they are collected / granted / donated.

9.6.2 Subject to the control of the Registrar, the Chief Finance and Accounts Officer shall-

9.6.2:1 Collect the income, disburse the payments and maintain the accounts of the University;

9.6.2.2 Be responsible for the preparation of annual accounts and budget of the University;

9.6.2.3 Have the accounts of the University regularly audited.

9.6.2.4 The Chief Finance and Accounts Officer shall be responsible for the preparation, authentication and filing of necessary returns and documents before the government/quasi government and other government authorities.

9.6.2.5 Ensure that the registers of buildings are up-to-date and the stock checking is conducted in all offices and institutions maintained by the University.

9.6.2.6 Suggest appropriate action against persons responsible for unauthorized expenditure and for other financial irregularities.

9.6.2.7 The Chief Finance and Accounts Officer shall be responsible for the maintenance of records in connection with the employees provident fund and any other statutory government obligations.

9.6.3 The Chief Finance and Accounts Officer shall have the power to call from any office or institution of the University any information or returns that he may consider necessary for due performance of his duties.

9.6.4 The Finance Officer or his authorised nominee shall be an essential signatory to all the cheques and other negotiable instruments and other documents in connection with the maintenance of the bank accounts of the University.

CHAPTER NO. 9

Terms and conditions of appointment of the Controller of Examinations

(Sec.12 (6) r/w Sec. 18 & 25 (1) (d) of the Adhiniyam

10.1 The Controller of Examinations shall be appointed by the Chancellor on the recommendation of the Committee of Selection constituted by him initially for a term of one year and subsequently for a term of four years if found satisfactory.

10.2 The Controller of Examinations shall receive such emoluments as determined by the Governing Body of the University / as mutually agreed with the approval of the sponsoring body.

10.3 The Controller of Examinations may by writing under his hand addressed to the Chancellor resign his appointment after giving three months notice of his intention to resign. Then Chancellor shall be the authority competent to accept his resignation.

10.4 The age of superannuation will be on attaining the age of 60 years.

10.5 The Controller of Examinations shall have the following powers and duties under the direct control and supervision of the Vice-Chancellor.

10.5.1 He shall be responsible for the conduct of all University examinations and it shall be his duty to arrange for the preparation, scheduling, marking and reporting of all the University examinations and for the payment of remunerations to question paper setters and examiners and all other incidental matters connected with University examinations, and shall submit the details of the expenses with supporting vouchers to the Chief Financial and Accounting Officer within 3 months of the publishing the results of the exam.

10.5.2 He shall be responsible for the safe custody of all papers, documents, certificates and other confidential files connected with the conduct of all University examinations.

10.5.3 He shall keep the minutes of Board of Examiners and all Committees appointed by the said Board.

10.5.4 He shall convene meetings and issue notice to the Board of Examiners and Committees appointed by them and conduct the official correspondence thereof.

10.5.5 He shall have the power to countersign the travelling allowance bills of examiners, paper setters and University employees deputed on examination purpose and other bills relating to University examinations.

10.6 He shall have powers:

10.6.1 To invite quotations for work connected with examination and sanction lowest when the expenditure does not exceed Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand only).

10.6.2 To sanction contingent expenditure for examination purpose up to a maximum of Rs. 1,000/- (Rupees One thousand only).

10.6.3 To sanction expenditure for printing where sanction of competent authority has been received for the work subject to the condition that such sanction shall not exceed Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand only).

10.6.4 To sanction purchase of stationery for examination purposes by inviting quotations and accepting the lowest up to a maximum of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand only).

10.6.5 He shall perform such other duties as may be prescribed by the Vice-Chancellor or conferred upon by the Board of Management.

10.6.6 The examiners and question paper setters shall be appointed by the Controller of Examinations with the prior approval of the Vice-Chancellor.

10.6.7 The Controller of Examinations shall, in the execution of his office be subject to the immediate direction and control of the Vice-Chancellor, and shall carry out his orders and render such assistance as may be required by the Vice-Chancellor in the performance of his duties.

10.6.8 The Controller of Examinations shall have such qualifications and experience as may be prescribed by the Board of Management from time to time.

10.6.9 The Controller of Examinations shall draw such salary, allowances and perquisites which shall be fixed by the Board of Management from time to time.

10.6.10 He shall be fully responsible for the timely and smooth conduct of the combined entrance test and the end semester/annual examinations.

10.6.11 He shall lay the guidelines for the setting up of the examination papers.

10.6.12 He shall appoint internal as well as external examiners through the examination committee for each subject and get at least 2 sets of the question papers prepared well in advance.

10.6.13 He shall appoint a moderation committee and get all papers moderated before these are sent for printing.

10.6.14 He shall ensure strict security and confidentiality of the examination papers.

10.6.15 He shall ensure timely dispatch of answer books and admit cards to all examination centres.

10.6.16 He shall be responsible for getting the answer books evaluated in accordance with the guidelines laid down by the paper setter. He shall be responsible for getting the result complied accurately and declared on time.

10.6.17 He shall be responsible for re-evaluation of the answer books on request from the students for a fee prescribed by the Board of Management.

CHAPTER No. 10

Appointment of Deans of the Faculty
(Section 12(6) of the Adhiniyam)

11.1 There shall be a faculty for each school of study in the University. The constitution of the faculty shall be in accordance with the provisions laid down in the Ordinance No. 9.

11.2 There shall be a Dean for each faculty in which the University is imparting education.

The Dean shall be appointed by the Chancellor on the recommendation of Vice Chancellor.

11.3. The term of Dean shall be for a period of two years from the date of appointment.

11.4. The Dean shall preside over the meeting of faculty and shall give opinion on the recognition of courses as and when referred for the courses of other Universities recognized by competent agencies or similar agencies in other countries.

11.5. The Dean shall perform such other duties as may be assigned to him from time to time by the Board of Management, Academic Council and Vice Chancellor.

11.6. The Dean shall be the Chairman of the faculty and all the Chairpersons of the Board of Management attached to the faculty / school shall be the members. The Chancellor may nominate experts if necessary.

11.5 The faculty shall ordinarily meet once a year.

CHAPTER NO.11

Academic Council

(Section 19(1) (3) of the Adhiniyam).

12.1. The Academic Council shall be the principal academic body of the University and shall, subject to the provisions of the Act, The Statutes, the Ordinances and the Regulations, coordinate and exercise general control and supervision over the academic policies, programmes of the University and be responsible for the maintenance of standards of education, teaching and training, interdepartmental co-ordination, research, examination and tests within the University.

12.2. The Academic Council shall consist of following members:

12.2.1 Vice Chancellor Chairman
12.2.2 Deans of faculties of the University
12.2.3 Not more than three Professors of the University - Nominated by the Chancellor
12.2.4. Not more than three Centre Co-ordinators of the Off Campus Centres nominated by the Vice Chancellor.
12.2.5 Registrar - Secretary

12.3. One third of total members of Academic Council shall form the quorum. Provided that no quorum shall be necessary for adjourned meetings.

12.3. A member of the Academic Council shall cease to be a member in the following circumstances also.

12.4.1 If the Member resigns from the Academic Council.
12.4.2 If the Member becomes mentally unsound.
12.4.3 If the Member had been convicted of a criminal offence involving moral turpitude or any other reason, and a higher court has not stayed such conviction.
12.4.4 If the Member fails to attend three consecutive meetings of the Academic Council without leave of the Chairman.
12.4.5 If the member ceases to hold his office.

12.5 The Academic Council shall have the power to co-opt as members persons having special knowledge or experience in the subject matter of any particular business which may come before the council for consideration. The member so co-opted shall have all the rights of the members of the council, except voting right.

12.6 All the members of the Academic Council other than ex-officio members referred in sub-para (c) shall hold the office for a term of three years.

12.7 The Academic Council shall meet once in a year or as often as may be decided by the Vice Chancellor.

12.8 The Academic Council shall have following powers and perform following duties.

12.8.1 To exercise general supervision over the academic policies of the University and to provide directions for methods of instructions and methodology of teaching for the improvement of academic standards.

12.8.2 To consider matters of general academic interest and to take appropriate action in this regard.

12.8.3 To assign departments to the faculties and to nominate its own members to the faculties.

12.8.4 To make proposals for the institution of fellowships, memberships, scholarships, studentships, exhibitions, medals and prizes and to make rules for their award.

12.8.5 To recommend the proposal for granting affiliations for the colleges / institutions of the University and for establishment of University Off-Campus Academic Centres / University Teaching Centres / Study Centres / Satellite Campus / Academic Centres / Regional Centres as prescribed in the act and statute.

12.8.6 To prescribe qualifications for recognition of persons as teachers of the University and to accord such recognition.

12.8.7 To make suggestions for the conduct of examination and arrange for the publication of the results.

12.8.8 To prescribe the qualifications for the award of Certificates, Diplomas, Degrees, Memberships and Fellowships.

12.8.9 To recognize eminent persons of any subject as Honorary Visiting Professor and to guide research in that subject.

12.8.10 To report and act on any matter referred to or delegated to it by the Board of Management.

12.8.11 To formulate different courses and programmes to be imparted to the students of the University.

12.8.12 To lay down the curriculum and frame syllabus for any of the courses and programmes offered by the

University, and publish textbooks and other instruction and learning material for the same.

12.8.13 To innovate, constantly upgrade and improve the syllabus to emerging and futuristic technologies.

12.8.14 To formulate and modify or revise schemes for the organization of the faculties, colleges and schools and to assign to such faculties, schools and colleges their respective subjects and also to report to the Board of Management as to expediency of the abolition or division or combination of one faculty, colleges and school with another.

12.8.15 Make regulations for credit transfer/ equivalency and lateral entry of students from other Universities / Boards of Technical Education of India and abroad.

12.8.16 To promote research activities and programmes, and to ask for, from time to time, reports on such research activities and programmes from faculties, colleges and schools.

12.8.17 To recognize diplomas and degrees of other Universities and institutions located in India and abroad and to determine their equivalence in relation to the diplomas and degrees of the University on reciprocal basis in consultation with competent authorities / agencies / bodies.

12.8.18 To make regulations for awarding admission to UG (Under graduate), PG (Post graduate), Fellowship, Membership, Associateship, Diploma, Honours, Licenses and Titles of the University to such candidates who do not possess formal University / Technical Education Board / Secondary Board of Education qualification otherwise mandatory for admission to such courses but have quantifiable knowledge, skills and competencies in the related discipline.

12.8.19 To approve conferment of degrees, honours, diplomas, licenses, titles, memberships and fellowships and marks on the basis of the results declared.

12.8.20 To prepare such forms and registers as are, from time to time, prescribed by regulation and to perform, in relation to academic matters, all such duties and to do all such acts, as may be necessary, for the purpose of the provisions of the Act, Statutes, Ordinances and / to the regulations.

12.8.21 To make recommendations to the Board of Management on:

a. Measures for improving standard of teaching, training, consultancy, research and examinations.

b. Institution of Fellowships, Memberships and Associateships.

3. Institution of Exchange Programmes, Scholarships, Medals, Prizes etc.

4. Regulations covering the academic functioning of the Institute, discipline, residence, admissions, examinations, award of fellowships and studentships, freeship, concessions, attendance etc and submit the same to the Board of Management for approval.

12.8.22 To suggest measures for departmental co-ordination and interdisciplinary methodology of teaching.

12.9. The Academic Council may appoint a Standing Committee consisting of:

1. Vice Chancellor - Chairman

2. 3 Deans of faculties to be nominated by the Chancellor

3. Registrar - Secretary

The quorum for the meeting shall be three and that no quorum shall be necessary for the adjourned meeting.

12.10. The "Standing Committee" shall have following powers and shall perform following duties:

12.10.1 The meeting of the Committee shall be convened under the direction of Vice Chancellor.

12.10.2 It shall render advice on the award of Centre Transfer and on the equivalency of examinations of the other Universities / Agencies / Bodies, in consultation with the faculty, concerned.

12.10.3 It can dispose off any matter of Academic Council and report it at the next meeting of Academic Council.

12.10.4 Standing Committee may invite such persons who can render fruitful advice on the matters under consideration.

CHAPTER NO.12

Board of Studies

(Section 22 (3), 27 (1) © of the Adhiniyam)

13.1.1 There shall be a Board of Studies attached to each subject of study or group of subjects in the University:

13.1.2 Provided however that Post-Graduate studies in each subject may have separate Board of Studies.

13.2.1 There may be separate Boards of Studies in such branches of knowledge as the Governing Body may decide to deal with the matters relating to the Post - Graduate Studies.

13.2.2. The constitution and functions of the Boards of Studies shall be as hereinafter prescribed.

13.2.3. Each Board of Studies shall consists of

1) The Head of the Department of the University Teaching Department of the subject or group of subjects for which the Board is constituted.
2) Professors of the University Teaching Departments or group of subjects for which the Board is constituted.
3) Two teachers / experts of the subject nominated by the Chancellor
4) The Board may co-opt experts if needed with the consent of the Vice Chancellor.

13.2.4. The Boards of Studies shall be reconstituted once in three years.

13.2.5 Chairman and the Members of the Boards of Studies shall be nominated by the Chancellor. The number of such members shall be not less than 3 or more than 5.

13.2.6 No person shall be appointed as a Member of Board unless he is a teacher / eminent scholar in subjects or has special knowledge in the subject or one of the subjects with which the Board is concerned.

13.2.7 It shall be the duty of each Board of Studies to consider and report on any matter referred to it by the Academic Council or Board of Management or the Faculty or the Vice-Chancellor concerned with the subject with which it deals.

13.2.8 Each Board shall have power:-

1. To recommend for the guidance of teachers and students, books in which the prescribed subjects are

suitably treated, and to recommend textbooks when such are required.

2. To recommend persons suitable for appointment as question paper setters, examiners in the subject with which it deals.

3. To make recommendations in regard to courses of study and examinations in the subjects with which it deals.

4. To address the Faculty or Faculties concerned regarding improvements in the courses of study.

5. To consult specialists who are not members of the Board.

6. To recommend to the Academic Council, for being forwarded to the Board of Management for its approval the preparation and publication of selections or anthologies of the writings or works of authors and other masters in any subject or group of subjects; together with a synopsis of the selections or anthologies and the names of the authors and masters and of the persons who may in its opinion be appointed to make the selections; and

7. To bring to the notice of the Academic Council or the Board of Management, as the case may be, matters of importance relating to the examination in each subject or group of subjects.

13.3.1. Board of Studies shall ordinarily meet once a year; but the Vice-Chancellor may direct additional meetings to be held as and when necessary.

13.3.2. Meetings of a Board of Studies shall be convened by the Registrar at such times as may be necessary, or on the written request of not less than two-third of the number of members serving on the Board at the time.

13.3.3. Where in the temporary absence of the Chairman a meeting of a Board of Studies is required to be convened for the purpose of urgently dealing with any University business, the Registrar shall convene the meeting.

13.3.4. A joint meeting of two or more Boards may be held, when the Board of Management / the Academic Council / Vice Chancellor so direct, for the disposal of any question affecting those Boards. Such joint meetings shall be convened by the Registrar.

13.4.1. The Chairman of a Board shall preside at meetings of the Board. In the absence of the Chairman, the members present shall elect a Chairman for the meeting.

13.4.2. When a joint meeting of two or more Boards is held, the Vice Chancellor shall nominate a Chairman for the meeting.

13.5.1. The quorum for a meeting of any Board shall be one-third of the strength of the Board, fractions if any, being ignored.

13.5.2. The quorum for a joint meeting of two or more Boards shall be one half of the total number of members in those Boards. No quorum shall be necessary for adjourned meetings.

13.6.1. Except as hereinbefore provided, the ordinary law of meeting shall be applicable to the meetings of the Board of Studies.

13.7.1. Every resolution of the Board as it is passed should be recorded at the meeting and read out by the Chairman at the meeting itself.

13.7.2. The Chairman of the meeting shall send to the Registrar a copy of the minutes as approved at the meeting within ten days after the date of the meeting for further necessary action.

13.8.1. It shall however be open to the Vice-Chancellor, in urgent cases, to obtain the opinion of the Boards of Studies by circulation. Such opinion together with the action taken thereon shall be communicated to all the members.

Chapter No. 13

Honorary Degree / Fellowship/ Membership/Associateship

(Section 25(1) (g) of the Adhiniyam)

14.1 A proposal for conferment of Honorary Degree/Fellowship/Membership/Associateship shall be made by Academic Council.

14.2 The proposal for the Honorary Degree shall be placed before a Committee consisting of the Vice Chancellor, one eminent educationist not connected with the University and one educationist nominated by the Chancellor.

14.3 If the Committee unanimously recommends that an Honorary Degree be conferred on the person on the ground that he is in its opinion a fit and a proper person to receive such degree, its recommendation shall be placed before the Board of Management and the report of which shall be sent to the Chancellor for approval.

14.4 The honorary degree shall be conferred on the person either at a regular convocation as prescribed in the regulations to be made by the Board of Management or at a special convocation to be held for the purpose as may be decided by the Board of Management.

14.5.1. A proposal for conferment of Associateship / Fellowship / Membership shall be made by the Academic Council.

14.5.2. The proposal shall be placed before a Committee consisting of the Vice Chancellor and two eminent educationists nominated by the Chancellor.

14.5.3. If the Committee recommends after due evaluation that Associateship / Fellowship / Membership be conferred on the person on the grounds that he is in its opinion fit and proper person to receive such Associateship / Fellowship / Membership, its recommendation shall be placed before the Board of Management and report of which shall be sent to the Chancellor for approval.

14.5.4. The Associateship / Fellowship / Membership shall be conferred on the person either at a regular convocation as prescribed in the regulations to be made by the Board of Management or at a special convocation to be held for the purpose as may be decided by the Board of Management.

CHAPTER No.14

Other Officers of the University

(Section 12 (6) of the Adhiniyam)

15.1 In addition to the Officers mentioned in section 12(1) to (5) of the Adhiniyam and Statutes of the University, the other officers of the University would include the following:

15.1.1 Director - Planning & Development
15.1.2 Controller of Examinations
15.1.3 Director
15.1.4 University Librarian
15.1.5 Director Physical Education
15.1.6 Deputy Registrar
15.1.7 University Engineer /Estate Officer
15.1.8 Assistant Registrar
15.1.9 Legal Officer
15.1.10 Public Relations Officer
15.1.11 Auditor
15.1.12 Centre Coordinator

15.2. The University may have one or more posts of any category mentioned above as per needs and approval by the Chancellor/ Board of Management.

15.3. These officers shall be whole time salaried officers of the University.

15.4. The Officers shall draw salary as recommended by the University Grants Commission / or as mutually agreed by concerned officer with the Chancellor.

15.5. The Governing Body / Board of Management shall prescribe the qualifications and eligibility conditions for each category of officers and Chancellor shall appoint committees for selection.

15.6. No person shall be appointed to these posts unless they possess the qualifications laid down for the post approved by the Board of Management / Governing Body.

CHAPTER No.15

Terms and Conditions of Appointment of Other Officers

(Section 25(1) (d) of the Adhiniyam)

16.1 The Chancellor shall appoint a Committee for the selection of other officers - which shall interview the candidates and prepare a panel of suitable candidates.

16.2 The Chancellor shall make suitable appointment from the panel given by Committee constituted for the Selection.

16.3 The officer appointed shall execute an agreement and follow the rules and regulations of the University.

16.4 The officers shall be entitled to the leave, allowances and other benefits prescribed by the University for its employees from time to time.

16.5 The powers and duties of the Officers shall be such as the Board of Management may determine from time to time.

CHAPTER NO. 16

Conditions of service of University Employees

(Section 25 (1)(e) of the Adhiniyam)

17.1 Save as otherwise provided in the Adhiniyam and statutes the provisions of this statute shall apply to all the Employees of the University appointed and paid by the University except for those whose services are taken on deputation from Centre/ State Government/Body Corporate and those who are appointed as consultancy / casual / part time /contractual basis.

17.2 In this statute

17.2.1. "Pay" means the amount of monthly basic salary of the employees and shall not include any special or additional pay granted to him and any other emoluments, which he draws as allowances and largesses.

17.2.2 "Average pay" means the average monthly pay earned during the ten complete months immediately preceding the months in which the employee proceeds on leave or is suspended.

17.2.3 "Vacation post" means a post involving teaching duties when employees are entitled to winter and summer vacations.

17.3 The post in the University shall belong to all classes and shall carry the scales of pay as recommended by the University Grants Commission or mutually agreed by the concerned officer with the Chancellor.

17.3.1 The Chancellor shall have the power to appoint the teachers and the officers of the University.

17.3.2 Subject to the control of Vice-Chancellor, the Registrar shall have the power to appoint class III, class IV workers and contingency paid staff of the University.

17.3.3 Save as otherwise provided in Statutes and the Ordinances, the qualifications of the post in various categories shall be determined by the Governing Body / Board of Management from time to time.

17.4 All the University employees shall be at the disposal of the University and he may be assigned duties in any manner required by the proper authority without claim of additional remuneration.

17.5 The Board of Management may permit a University employee to perform a specified service for a private person / body or

Government and to receive remuneration thereof in form of fee, if it is satisfied that this can be done without detriment of his official duties or responsibilities, provided that half the amount of fees so received shall be credited to General fund of the University.

17.6 The Head of the Branch, Department, and Institute under whom the employee is working shall send to Registrar in form prescribed by the University, a confidential report, every year not later than 30th April, on the work and conduct of the employee during the preceding year ending on 31st March.

17.7 The confidential report and the opinion stating the employee fitness or otherwise for confirmation in service must be sent to the Registrar by the head of Branch or Department or Institute, where the probationer is working at least one month before the date of expiry of the probation.

17.8 An appointment may be terminated by either party without assigning any reason by giving to the other one month's notice or one month's salary in lieu thereof. No such notice of payment of salary shall be necessary in case of termination of service or work charge or contingency paid employee including casual / contractual / part-time / ad-hoc / visiting persons / temporary / consultants.

17.9.1 If the appointing authority is not satisfied with the conduct of the employees including casual / contractual / part-time / ad-hoc / visiting persons / temporary / consultants, his services may be terminated. In case of termination of the service of the employee, one month's notice shall be given to him or in lieu of notice, he will be paid one month's salary. They may also terminate the engagement by giving one month's notice or one month's salary.

17.9.2 If the probationer was appointed by promotion and his work and conduct is not satisfactory the appointing authority may revert him to the post held by him before such promotion and such reversion shall not be deemed to be a penalty.

17.10 Before leaving the University service, all employees shall return to the University all articles entrusted to him for his use and clear all dues outstanding against him.

17.11. University employees excluding casual / contractual / part-time / ad-hoc / visiting persons / temporary / consultants, shall be entitled to leave as per the leave rules framed by Board of Management and approved by the Governing Body.

17.12. 1. The appointing authority may by an order place all employees, under suspension

17.12.1.1 When disciplinary proceeding against him is contemplated or is pending or

17.12.1.2 On confirmation of a prima facie case against an employee on the charges of financial

irregularities and/or unethical activities detrimental to the interest of the University.

Or

17,12.1.3 Where a case against him in respect of any criminal offence is under investigation, inquiry or trial.

17.12.2 All employees shall be deemed to have been placed under suspension by an order of the appointing authority

17.12.2.1 With effect from the date of his detention, if in the detained in custody, whether on a criminal charge or otherwise for a period exceeding 48 hours.

17.12.2.2 With effect from the date of his conviction, if he in the event of a conviction for an offence, he is sentenced to imprisonment and is not forthwith dismissed or removed or compulsorily retired consequent to such conviction.

17.12.3 An order of suspension made or deemed to have been made shall continue to remain in force until it is modified or revoked by the appointing authority.

17.13. The services of all the University employees may be terminated on any of the following grounds.

17.13.1 Wilful neglect of duty

17.13.2 Misconduct/indiscipline

17.13.3 Physical and mental unfitness

17.13.4 On the abolition of post held by him

17.13.5 Conviction by a court of law for an offence involving moral turpitude.

17.13.6 If the Board of Management feels that a particular staff is unfit to perform the responsibilities and duties assigned to him/her.

17.14.1 The appointing authority may for good and sufficient reasons, impose on any employee the following penalties.

17.14.1.1 Censure

17.14.1.2 Transfer

17.14.1.3 Recovery from his pay, whole or part of any pecuniary loss caused to the University by negligence or breach of order by the employee.

17.14.1.4 With holding the increments of pay.

17.14.1.5 Reduction to lower time scale of pay, grade or post.

17.14.1.6 Compulsory retirement.

17.14.1.7 Removal from service

17.14.1.8 Dismissal from service.

Besides the above penalties, reasonable fine may be imposed on class IV employee for petty carelessness, unpunctuality etc.

17.14.2 The appointing authority may institute the disciplinary proceeding against all the employees in accordance with the procedure laid down by the Board of Management.

17.15. Where the penalty is imposed by the Registrar, the employees may prefer an appeal to Vice-Chancellor within thirty days from the date on which order is served on the employees.

Part 4-Miscellaneous

17.16. Every employee shall at all times:

17.16.1 Maintain absolute integrity

17.16.2 Show devotion to duty: and

17.16.3 Do nothing, which is unbecoming of an employee of the University and against the interest of the University.

17.17. No employee shall join or continue to be member of such association the objects and activities of which are prejudicial to the interest of the University or public order, decency or morality.

17.18. No employee shall;

17.18.1 Participate in Public protests /Dharana/ Hartal/ demonstration.

17.18.2 Resort to any violence

17.18.3 Participate in editing, management of any print or electronics media without prior sanction of the University.

17.18.4 Divulge in any matter of the University any where other than the competent authority.

17.18.5 Take any employment elsewhere either full time or part time without prior sanction from the University.

17.19. Any infringement of para 17.16 to 17.18 of this Chapter shall be regarded as subversive of good discipline and misconduct and will justify the initiation of disciplinary action against such employee.

17.20. The regular employees except part time / consultants/ contractual/. casual appointees, shall have a contributory provident fund as prescribed in the contributory provident fund act as amended from time to time.

17.21. The scales of pay of different categories of regular employees shall be, such as may be prescribed by the University Grants Commission and approved by the State Government and the Board of Management, applicable to the regular employees of the University, or as that of mutually agreed upon by the employee and the Chancellor.

CHAPTER No. 17

Arbitration to resolve Disputes

(Section 25(1)(f) of the Adhiniyam)

18.1. In the event of dispute arising between the employee, excluding casual/ consultant/ contractual/ part-time/ ad-hoc/ temporary/ visiting person, and the employer, on the request of the employee the Chancellor shall appoint an Arbitrator who shall listen to both the parties and pronounce his award.

18.2. The Board of Management shall consider the award and act as per directions of the Arbitrator to resolve the Dispute.

18.3. If either of the parties is not satisfied with the award they can approach the Chancellor to appoint a Tribunal.

18.4. The tribunal shall consist of following members:

18.4.1 A nominee of the Chancellor not connected with the University who will act as the Chairman.

18.4.2 The nominee of the aggrieved party

18.4.3 A nominee of the Board of Management

Provided that the aggrieved party shall approach the Chancellor within 30 days of the receipt of the award.

18.5. The decision taken by the tribunal shall be binding on both the parties.

18.6. The disputes regarding constitutions of authorities/bodies or nomination of any member in the authorities/bodies provided for by or under the Act/Statute/Ordinance shall be decided by the Chancellor in the manner he deems fit and his decision shall be final.

18.7. In the event of dispute arising between the students and the teachers / University, on the request of the students, the Chancellor shall appoint a committee of not less than three persons to settle the dispute.

CHAPTER No. 18

Exemption from tuition fee and Award of Scholarship

(Section 25(1) (h) of the Adhiniyam)

19.1. The assistance obtained from the Central Government, State Government or any other authority, funding agency etc. towards meeting full or in part any amount towards fee otherwise payable by students belonging to socially disadvantaged or economically weaker sections shall be disbursed strictly as per directions of the authorities providing such assistance.

19.2. It shall be the duty of the Registrar and the Chief Finance and Accounts Officer of the University to ensure that the students get the stipend exactly as per the directions of the funding agency.

19.3. The University will also make provisions for the award of scholarships and stipends from its own sources. The terms and conditions of the award shall be laid down in the ordinance made under section 27 (1) (d) of the Adhiniyam.

CHAPTER NO 19

Policy of Admission including Reservation of seats

(Section 25(1) (i) of Adhiniyam)

20.1. The admission to various courses shall be made as per the provisions laid down in the respective ordinance.

Provided that in the courses the University decides to admit the students on the basis of the entrance test held either by the University or by any body/agency on behalf of the University, the admission shall be granted on the basis of merit secured at the entrance examination for which the modalities shall be laid down by a committee appointed by the Board of Management.

20.2. The reservation of seats at each institution/centre in each course of study shall be as per rules framed for the reservation of seats for SC/ST/OBC and other categories and applicable on the University.

Provided that the seat of any reserve category remains vacant due to non-availability of the eligible candidates in that category it shall be filled up in the following order

SC & ST > OBC > OTHERS > GENERAL

Provided also that the candidates admitted under reserved category shall be required to pay the fees as decided by the University for course and that the paid vacant seats must be filled before the start of the academic session.

20.3. The Chancellor shall have the power to grant at least one admission to each course subject to a maximum of 2% of the total seats available in that course.

Provided that the admission shall be accorded only to those candidates who are eligible to be admitted to that course

CHAPTER NO: 20

University Fund

(Under section 7 of Adhiniyam '2002)

The University shall establish a fund which shall be called the General Fund which shall be credited to the following namely:-

21.1 Fees and other specific charges received by the University from the students.

21.2 Any contribution made by the Sponsored Body

21.3 Any income received from consultation and other works undertaken by the University in pursuance of its objectives

21.4 Trust, bequests, endowments and any other grants

21.5 All other sums received by the University from the students

21.6 The General Fund shall be used for the purpose enumerated in the act

21.7 The schools/institutions of the University shall create a separate development reserve for the purpose of creation of infrastructural facilities and its development, research and development, brand creation and development, teaching and learning techniques and development with modern technology, student welfare and recreational facilities development etc engaging experts/ agencies / organizations in India and abroad for specific purposes.

21.8 The modalities for the operations of the development reserve shall be formulated by an expert committee nominated by the Chancellor with the following members: -

21.8.1. One member of the Governing Body (Chairman)

21.8.2. One member from the Board of Management

21.8.3. One member sponsored from the Sponsoring Body

21.8.4. An expert member not connected with the University nominated by the Chancellor.

21.9 The quorum of the meeting shall be three. Each member, including the Chairman shall have one vote and all decisions shall be taken by simple majority. In case of a tie the Chairman shall have a casting vote.

21.10 The University with the approval from the Board of Management and the Chancellor has all the powers to borrow or raise finance by any means for the purpose of activities and development of the University which includes creation of a charge on the property of the University or its Sponsoring Body or its development collaborator.

CHAPTER No. 21

Provisions Regarding Number of Seats in Each Course

(Section 25(1) (k) of the Adhiniyam)

22.1. In each post graduate course the minimum and maximum number of students admitted per session shall be decided by a committee of experts appointed by the Board of Management. The University shall, however, decide the number of students to be admitted at a Centre depending on its infrastructure facilities and strength of faculties. In no case the number shall exceed the decided number per session for a particular course/batch at a particular centre.

22.2. At the graduate degree level each session of the class shall have a minimum and maximum strength which shall be decided by a committee of experts appointed by the Board of Management. The number of sessions which can be allowed at a particular centre shall be decided on the basis of the infra structural facilities available at the centre and the faculty strength.

22.3. At the Diploma level and Certificate level, each session of the class shall have a minimum and maximum strength which shall be decided by a committee of experts appointed by the Board of Management. The number of sessions which can be allowed at a particular centre shall be decided on the basis of the infra structural facilities available at the centre and the faculty strength.

22.4. The Expert Committee shall lay down the norms having details regarding the infra structural facilities and required strength for each course and place it before the Board of Management on being approved by it, it shall be strictly followed for deciding the seats in each course/batch at each centre.

CHAPTER NO.22

The Governing Body

Section 20 of the Adhiniyam

23.1. The Governing Body (Senate) shall be the supreme authority of the University.

23.2. The Governing Body (Senate) shall consist of Members as stipulated under the Adhiniyam.

23.3. The Chancellor is vested with the powers to preside over the Meeting of the Governing Body as its Chairman.

23.4. The Governing Body (Senate) shall also enjoy such other powers specifically laid under the Adhiniyam.

23.5. The Governing Body (Senate) shall hold 2 meetings preferably in June and December of a Calendar Year or as decided by the Chancellor.

23.6. A notice of 07 days shall be given to the members stating the agenda for the meeting. If any emergency arises for which the decision of the Governing Body is required, an emergency meeting may be convened at the decision of the Vice Chancellor at a short notice of not less than 2 days.

23.7. The quorum of the meeting shall be 5 members present in person.

23.8. Each member of the Governing Body including the presiding officer shall have one vote and decisions at the meeting shall be adopted by simple majority. In case of a tie, the Presiding Officer shall exercise a casting vote.

23.9. The Presiding Officer of the meeting shall cause the minutes of the meeting to be recorded and circulated to the members within a period of one month from the date of such a meeting.

23.10. The Chancellor may in exigencies take appropriate decisions and such decision shall be reported to the next meeting of the Governing Body.

CHAPTER NO.23

Board of Management

(Under Sec. 21 of the Adhiniyam)

24.1. The Meeting of the Board of Management (Syndicate) shall be chaired by the Vice Chancellor and the quorum shall be three.

24.2. The Board of Management is vested with powers to establish the Off-Campus Centres, affiliate colleges / institutions /Regional Campus / Study centres / Academic centres / Satellite Campuses of the University on the basis of the recommendations made by the Inspection Committee as appointed by the Chancellor. The establishment of such Centres and affiliation of colleges / institutions shall be made by the University directly or in association with local reputed educational agencies / institutions within various parts of India and abroad.

24.3. The Board of Management shall comprise of Members as stipulated by the Adhiniyam.

24.4.1. The Board of Management shall meet as often as necessary in the interest of the Chancellor. The meetings include Teleconferencing / Video conferencing with the approval of the Chancellor.

24.4.2: The meetings of the Board of Management shall be convened by the Registrar with the prior approval of the Vice Chancellor.

24.4.3. A notice of 7 days shall be given for the meeting provided that an emergency meeting may be convened at the decision of the Vice Chancellor at a short notice of not less than 2 days.

24.4.4. Each member of the Board including the Chairman/ presiding officer shall have one vote and decisions at the meeting shall be taken by simple majority, in case of a tie, the presiding officer shall exercise a casting vote.

24.4.5. The Registrar shall cause recording of minutes of the meeting, with the approval of the Vice Chancellor and circulate them to the members concerned within a period of one month from the date of the meeting.

24.4.6: The Vice Chancellor may under exigencies, in consultation with the Chancellor, take appropriate decisions and such

decision shall be reported to the next meeting of the Board of Management.

24.5. The Board of Management shall have the powers to take all necessary decisions for smooth and efficient functioning of the University. The Registrar shall implement and execute all the decisions of the Board of Management. The powers shall inter - alia include but not be limited to the following:

24.5.1. **Staffing:**

24.5.1.1. To manage and administer general fund and properties of the University and to conduct all administrative affairs of the University not otherwise specifically provided for.

24.5.1.2. To create teaching, academic, administrative, ministerial and other necessary posts and to decide on the number, qualifications and cadre thereof, and to determine the emoluments for such posts in consultation with the expert committee as appointed by the Chancellor if needed.

24.5.1.3. To appoint Directors, Associate Director, Principals, Vice Principals, Deans, Associate Deans, Professors, Associate Professors, Assistant Professors, Senior Lectures, Junior Lectures, Research Associates, Project Associates, Center Co-coordinators, Operational Staff, administrative, ministerial and other staff as may be necessary on recommendations of the selection committee.

24.5.1.4. To lay down rules in respect of the emoluments and duties of the various academic and non-academic staff recruited by the University.

24.5.1.5. To lay down rules for appointment of Visiting Fellows, Visiting Professors, Professor Emeritus, Consultants, Scholars and determine their terms and conditions of such appointments.

24.5.1.6. To appoint internal auditors to undertake audit of the various functions of the University.

24.5.2. **Academic Matters:**

24.5.2.1. To generally lay down, in consultation with the Academic Council, the academic policies, instruction and teaching standards policies relating to students admission, examinations and award of diplomas, degrees, certificates and other academic awards or distinctions.

24.5.2.2. To establish, on the advice of the Academic Council, Schools and Colleges, Satellite Campuses, Regional Campus, Study Centers, Off-Campus Academic Centers and Academic Centers specific to a discipline of Higher Education and to allocate areas of study, teaching and research to them in India and abroad.

24.5.2.3. To institute Scholarships, Studentships, Stipends, Medals and Prizes in accordance with the regulation.

24.5.2.4. To engage any agency / organization to promote the University in India and abroad by way of infra structural development, research and development, brand creation and development, development of teaching and learning aids with modern techniques and international standards etc specifically for the purpose of development activities of the University for which a separate development reserve may be created as agreed upon between the University and the agency engaged for the development activities.

24.5.2.5. To lay down rules regarding the emoluments, traveling and other allowances of examiners appointed for examinations.

24.5.2.6. To acquire/disperse intellectual property rights, patents, copy rights, trade marks and the likes from any institution or organization, on such terms and conditions as the Board may determine, and pay such compensation for the acquisition as may be just and equitable.

24.5.3. Finance:

24.5.3.1. To consider and approve the budget of the University.

24.5.3.2. To manage and administer the revenues from the general fund, regulate the finance accounts, investments, property and all other administrative affairs of the University and for that purpose appoint such agent(s) as it may deem fit.

24.5.3.3. To approve the opening of account(s) of the University with any one or more banks in India and abroad and to lay down the procedure for operating the same.

24.5.3.4. Approve to draw, accept, make endorse, discount and negotiate securities of Government promissory notes, Bills of Exchange, cheques or other negotiable instruments.

24.5.3.5. Approve to receive and give grants, donations, contributions, gifts, prizes, scholarship fees and other moneys.

24.5.3.6. Approve to purchase, take on lease, accept as gift or otherwise any land or buildings or work which may be required for the purpose of the University on such terms and conditions as deemed appropriate and to construct or alter and maintain any such buildings or works.

24.5.3.7. Approve to transfer or accept transfer of any moveable property on behalf of the University.

24.5.3.8. To advise the Sponsoring Body on matters regarding acquisition management and disposal of any immoveable property on behalf of the University.

24.5.3.9. Approve to execute in consultation with the Sponsoring Body, conveyance, transfer, re-conveyances, mortgages, lease bonds, licenses and agreements in respect of property, moveable or immovable, belonging to the University or to be acquired for the purposes of University from the General Fund.

24.5.3.10. To provide building(s), premises, furniture, fittings, equipments, appliances and other facilities required for smooth functioning of the University.

24.5.3.11. To appoint, in order to execute an instrument or transact any business of the University, any person as attorney of the University with such powers as it may deem fit.

24.5.3.12 To advise for investment of the funds of the University or money entrusted to the University from the General Fund, in such securities and in such manner as it may deem fit and from time to time transpose any investment.

24.5.3.13. Approve to raise and borrow notes or other obligations or securities in consultation with the Sponsoring Body by providing properties and assets of the University as security, or borrow money without any securities, and upon such terms and conditions as it may think fit, and to pay out the funds of the/ University, all expenses, incidental to the raising of money and to repay and redeem any money borrowed.

24.5.3.14. To establish, maintain and operate the General Fund as stipulated in Section 7 and 8 of the Act and under provisions of the Statutes.

24.5.3.15. To maintain proper accounts and other relevant records and prepare Annual Statements of Accounts including Balance sheet for every previous financial year, in such forms as may be prescribed by the Regulations and submit the same to the Chancellor and the Governinq Body for their approval.

24.5.3.16. To fix limits of the total non-recurring expenditure for a year on the recommendation of the Finance Committee.

24.5.4. **Student Affairs**:

24.5.4.1. To regulate and enforce discipline among the students of the University and to take appropriate disciplinary action wherever necessary.

24.5.4.2. To establish and regulate the maintenance of hostels for the students of the University and recognize hostels established by outside parties on the basis of the recommendations of a committee appointed for the purpose.

24.5.5. **Administrative and legal matters:**

24.5.5.1. Approve to enter into contracts, carryout or cancel contracts on behalf of the University and to do all such

acts as are necessary to raise resources for furthering the objectives of the University.

24.5.5.2. To regulate and enforce discipline among the employees including casual / part-time / contractual / ad-hoc / visiting persons / temporary / consultants of the University and to take appropriate disciplinary action whenever necessary.

24.5.5.3. To entertain, adjudicate upon and if considered fit, to redress any grievances of the employees including casual / part-time / contractual / ad-hoc / visiting persons / temporary / consultants of the University, who may, for any reason feel aggrieved.

24.5.5.4. To select an emblem and the common seal for the University and provide for the custody and use of such a seal.

24.5.5.5. To conduct inspections and enquiries, in various departments, centers, institutions, satellite campuses, Off campus centers, Regional Campus, study centers, academic centers and affiliate colleges of the University and initiate corrective actions wherever needed.

24.5.6. **Formation of Committees:**

The Board of Management may form such Committees for such purpose(s) and with such powers as the Board of Management may deem fit and co-opt such persons on these committees as it deems fit.

24.5.7. **Delegation of Powers:**

The Governing Body and the Board of Management may by a resolution, delegate to the Vice Chancellor, Registrar, Chief Finance and Accounts Officer, Controller of Examinations, Standing Committee or the Ad-hoc Committee, such of its powers as it may deem fit, subject to the condition that the action taken by the Vice Chancellor or the Standing Committee or the Ad-hoc Committee, or any of their officers to whom such powers are delegated, shall be reported at the next meeting of the Governing Body and the Board of Management.

CHAPTER NO. 24

Provisions Regarding Fee to be charged from the students

(Section 25(1) (j) of the Adhiniyam)

25.1 The fee for each course of study shall be calculated for each student on the basis of total expenditure on the course and the seats earmarked for the course. This fee shall be charged as course fee per semester or per annual basis.

25.2 Each student shall also be charged the enrolment fee, Development fee, examination fee, etc. as provided in the Ordinance and in the regulations.

राजस्व विभाग

कार्यालय, कलेक्टर, जिला कबीरधाम, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

कबीरधाम, दिनांक 8 सितम्बर 2003

क्रमांक 414/अ-82/भू-अर्जन.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
कबीरधाम	पंडरिया	कोदवाकला प.ह.नं. 9	0.58	कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग, बेमेतरा, जिला दुर्ग.	हेम्प व्यपवर्तन दायीं तट नहर.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पंडरिया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

कबीरधाम, दिनांक 8 सितम्बर 2003

क्रमांक 415/अ-82/भू-अर्जन.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
कबीरधाम	पंडरिया	गोबर्रा प.ह.नं. 25	1.39	कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग, बेमेतरा, जिला दुर्ग.	हेम्प व्यपवर्तन दायीं तट नहर.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पंडरिया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
एम. व्ही. सुब्बारेड्डी, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला महासमुन्द, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

महासमुन्द, दिनांक 23 सितम्बर 2003

क्रमांक 813/अ.वि.अ./भू-अर्जन/48अ/82/ 2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्र. 1 सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
महासमुन्द	महासमुन्द	अमरूदा प.ह.नं. 125/72	2.56	कार्यपालन यंत्री, कोडार परियोजना संभाग, महासमुन्द (छ. ग.).	गबौद जलाशय के अंतर्गत नहर नाली निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, महासमुन्द के कार्यालय में किया जा सकता है.

महासमुन्द, दिनांक 23 सितम्बर 2003

क्रमांक 828/अ.वि.अ./भू-अर्जन/49 अ/82/2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्र. 1 सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
महासमुन्द	महासमुन्द	चुरकी प.ह.नं. 127/74	3.86	कार्यपालन यंत्री, कोडार परियोजना संभाग, महासमुन्द (छ.ग.).	पाली टार जलाशय के अंतर्गत नहर नाली निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, महासमुन्द के कार्यालय में किया जा सकता है.

महासमुन्द, दिनांक 23 सितम्बर 2003

क्रमांक 830/अ.वि.अ./भू-अर्जन/54 अ/82/ 2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्र. 1 सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
महासमुन्द	महासमुन्द	बागबाहरा खुर्द प.ह.नं. 119/67	0.23	कार्यपालन यंत्री, कोडार परियोजना संभाग, महासमुन्द (छ.ग.).	चण्डी डोंगरी जलाशय के अंतर्गत नहर नाली निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, महासमुन्द के कार्यालय में किया जा सकता है.

महासमुन्द, दिनांक 23 सितम्बर 2003

क्रमांक 831/अ.वि.अ./भू-अर्जन/55 अ/82/ 2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्र. 1 सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
महासमुन्द	महासमुन्द	कन्हारपुरी प.ह.नं. 126	0.21	कार्यपालन यंत्री, कोडार परियोजना संभाग, महासमुन्द (छ.ग.).	खल्लारी जलाशय के अंतर्गत नहर नाली निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, महासमुन्द के कार्यालय में किया जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
मनिन्दर कौर द्विवेदी, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला राजनांदगांव, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

राजनांदगांव, दिनांक 30 सितम्बर 2003

क्रमांक 8452/भू-अर्जन/2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
राजनांदगांव	राजनांदगांव	जोशीलमती प.ह.नं. 55	11.75	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, राजनांदगांव.	कोलियारी जलाशय के अंतर्गत मुख्य नहर नाली निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) राजनांदगांव के कार्यालय में किया जा सकता हैं.

राजनांदगांव, दिनांक 30 सितम्बर 2003

क्रमांक 8453/भू-अर्जन/2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
राजनांदगांव	राजनांदगांव	पठानढोढ़गी प.ह.नं. 55	15.03	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, राजनांदगांव.	कोलियारी जलाशय के अंतर्गत मुख्य नहर नाली निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) राजनांदगांव के कार्यालय में किया जा सकता है.

राजनांदगांव, दिनांक 30 सितम्बर 2003

क्रमांक 8454/भू-अर्जन/2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
राजनांदगांव	राजनांदगांव	थैली टोला प.ह.नं. 55	2.93	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, राजनांदगांव.	कोलियारी जलाशय के अंतर्गत मुख्य नहर नाली निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) राजनांदगांव के कार्यालय में किया जा सकता है.

राजनांदगांव, दिनांक 30 सितम्बर 2003

क्रमांक 8455/भू-अर्जन/2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
राजनांदगांव	राजनांदगांव	कोलियारी प.ह.नं. 56	14.37	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, राजनांदगांव.	कोलियारी जलाशय के उलट नहर एवं बायीं तट नहर निर्माण.

भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) राजनांदगांव के कार्यालय में किया जा सकता है.

राजनांदगांव, दिनांक 30 सितम्बर 2003

क्रमांक 8456/भू-अर्जन/2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
राजनांदगांव	राजनांदगांव	चिरचारी कला प.ह.नं. 57	11.37	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, राजनांदगांव.	कोलियारी जलाशय के अंतर्गत मुख्य नहर नाली निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) राजनांदगांव के कार्यालय में किया जा सकता है.

राजनांदगांव, दिनांक 30 सितम्बर 2003

क्रमांक 8457/भू-अर्जन/2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
राजनांदगांव	राजनांदगांव	हर्राटोला प.ह.नं. 56	4.47	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, राजनांदगांव.	कोलियारी जलाशय के अंतर्गत मुख्य नहर नाली निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) राजनांदगांव के कार्यालय में किया जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
डी. के. श्रीवास्तव, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

राजस्व विभाग
कार्यालय, कलेक्टर, जिला जांजगीर-चांपा, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन राजस्व विभाग

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 23 जुलाई 2003

क्र. 1205/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
- (ख) तहसील-पामगढ़
- (ग) नगर/ग्राम-तनौद, प. ह. नं. 18
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.247 हेक्टेयर

खसरा नम्बर (1)	रकबा (हेक्टेयर में) (2)
419/1	0.032
419/3	0.016
1093/1	0.077
1093/4	0.053
1086/4	0.069
योग 5	0.247

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-डोंगाकोहरौद उपशाखा के माइनर नं. 12 निर्माण हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 30 जुलाई 2003

क्र. 712/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
- (ख) तहसील-डभरा
- (ग) नगर/ग्राम-निमोही, प. ह. नं. 8
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-2.762 हेक्टेयर

खसरा नम्बर (1)	रकबा (हेक्टेयर में) (2)
309/1	0.053
309/2	0.061
313	0.182
364	0.020
365	0.040
330/1, 330/2, 333, 334, 335	0.218
336/3	0.202
328	0.073
324/3	0.125
352/1	0.154
352/3	0.061
357/2	0.089
356	0.036
464	0.049
366	0.473
368/2	0.235
368/3	0.142
368/4	0.028
367	0.093
369/1	0.125
370	0.085

(1)	(2)
261/1	0.210
369/2 ख	0.008
योग	2.762

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-धुरकोट उप वितरिका नहर.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 21 अगस्त 2003

क्र. 3599/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
- (ख) तहसील-मालखरौदा
- (ग) नगर/ग्राम-नवागांव, प. ह. नं. 3
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-7.03 एकड़

खसरा नम्बर (1)	रकबा (एकड़ में) (2)
530/1, 2	0.60
531	0.03
534, 535	0.50
536/1	1.34
536/2	0.60
536/3	0.02
552/4	0.54
554	0.11
545, 546	0.02
550	0.02
551/1	0.35
551/2	0.60
552/1	0.43
552/2, 552/5	0.40
552/3	0.22
553/1	0.12
555/1	0.02
573, 854	0.40
696	0.01
697	0.40
532	0.30
योग 21	7.03

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-छलका नाली निर्माण हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी एवं भू-अर्जन अधिकारी, सक्ती, जिला जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 15 सितम्बर 2003

क्र. 633/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
- (ख) तहसील-डभरा
- (ग) नगर/ग्राम-कांसा, प. ह. नं. 6
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-17.05 एकड़

खसरा नम्बर	रकबा (एकड़ में)
(1)	(2)
413/1	1.55
413/5	1.55
414/3	0.50
414/4	0.25
414/2	0.04
415/1 ट	1.00
415/1 क	1.25
415/1 छ	1.25
415/1 ग	1.25
415/1 ज	1.25
415/1 ङ	1.25
415/1 ज	1.25
415/1 छ	1.25
415/1 ख	1.25
415/1 च	1.25
415/1 झ	1.25
415/5	0.12
415/1	0.50
योग 18	17.05

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-घटोई जलाशय निर्माण हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) डभरा के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 16 सितम्बर 2003

क्र. 1233/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
- (ख) तहसील-चाम्पा
- (ग) नगर/ग्राम-कचन्दा, प. ह. नं. 7
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.065 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
166/1 ज/2	0.048
166/1 ज/1	0.016
योग 2	0.065

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-सक्ती शाखा नहर निर्माण हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 16 सितम्बर 2003

क्र. 1234/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
- (ख) तहसील-जैजेपुर
- (ग) नगर/ग्राम-धिवरा, प. ह. नं. 28
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-1.619 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
203/16	0.251

(1)	(2)
203/36	0.231
203/29	0.348
203/15	0.295
203/39	0.101
203/6	0.081
203/17	0.024
203/28	0.049
166/5	0.101
162/4	0.138
योग 10	1.619

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-हसौद वितरक नहर निर्माण हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 16 सितम्बर 2003

क्र. 1235/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
- (ख) तहसील-जैजेपुर
- (ग) नगर/ग्राम-जमड़ी, प. ह. नं. 23
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.611 हेक्टेयर

खसरा नम्बर (1)	रकबा (हेक्टेयर में) (2)
1393/2	0.113
1355/1	0.223
1364	0.190
1381/1	0.085
योग 4	0.611

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-हसौद वितरक नहर निर्माण हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 22 सितम्बर 2003

क्र. 4/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
- (ख) तहसील-जांजगीर
- (ग) नगर/ग्राम-हरदी विशाल, प. ह. नं. 23
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.238 हेक्टेयर

खसरा नम्बर (1)	रकबा (हेक्टेयर में) (2)
677/4	0.109
724/5	0.129
योग 2	0.238

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-एन. टी. पी. सी. सीपत के अंतर्गत पंप हाऊस निर्माण हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (रा.) जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
एम. आर. सारथी, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला रायगढ़, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन राजस्व विभाग

रायगढ़, दिनांक 12 सितम्बर 2003

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 13/अ-82/2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-

(क) जिला-रायगढ़

(ख) तहसील-रायगढ़

(ग) नगर/ग्राम-पतरापाली, क़ोटमार

(घ) लगभग क्षेत्रफल-61.415 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
ग्राम-पतरापाली	
222/1	0.162
237	0.113
217/1	0.248
232	0.405
224	0.466
202/11	0.405
229/1	0.142
227	0.251
228/1	0.672
245	0.158
223	0.097
250	0.117
233	0.725
226	0.458
255/1	0.373
222/2	0.089
222/3	0.085
222/5	0.089
222/7	0.085
218	0.326
240/1	0.089
240/3	0.040
220/2	0.068
248	0.129
236	0.178
240/4	0.089
240/5	0.187
241/1	0.405
221/2	0.223
221/3	0.420
251	0.243
253	0.231
252/1	0.142
252/2	0.057
247/5	0.170
254/1	0.611
254/2	0.154
254/4	0.146
254/3	0.113
254/5	0.158
254/6	0.198
242/1	0.202
231	0.263
230	0.530
249	0.304
234	0.225
221/1	1.874
269	0.450
228/2	0.061
228/3	0.182
275/1	0.061
261	0.251
229/2	0.186
235	0.219
238	0.089
239	0.138
240/2	0.089
241/2	0.134

(1)	(2)
241/3	0.134
241/4	0.137
242/2	0.202
242	0.221
246	0.352
259/1	0.170
244/1	0.142
244/2	0.125
247/1	0.093
247/3	0.081
247/2	0.045
247/4	0.170
256	0.138
257/1	0.089
257/2	0.320
255/2	0.210
258/5	0.202
258/2	1.554
259/2	0.081
262	0.405
263/1	1.330
263/3	0.128
217/3	0.248
263/2	0.127
217/2	0.247
265	0.263
266/1	0.178
267	0.324
268	0.235
272	0.166
276	0.652
271/1	0.162
273/1	0.202
274/1	0.101
275/2	0.182
277/1	0.028
255/3	0.045
258/1	1.190
योग 96	25.464

ग्राम-कोटमार

(1)	(2)
34/1	0.182
53/1	0.085
31/1	0.202
45/1	0.202
47/1	0.054
40/2	0.178
31/2	0.202
41	0.429
101/1	2.025
45/2	0.170
31/3	0.198
98	0.356
31/4	0.198
108/2	0.161
89/2	0.202
35/1	0.340
38	0.462
40/1	0.194
80/2	0.283
35/2	0.243
63/1	0.045
82	0.348
88	0.125
116	0.405
36	0.607
37	0.162
67	0.308
68	0.097
79	0.243
91	0.259
115	0.057
39	0.462
42/2	0.107
77	0.239
108/1	0.146
42/1	0.107
66	0.239
78/1	0.184
43	0.170
61/2	0.466

(1)	(2)	(1)	(2)
111/2	0.283	69/3	0.187
44	0.134	76/3	0.089
27	0.279	86/3	0.113
46/2	0.937	97/3	0.097
51	0.261	70	0.150
109	0.287	84	0.518
46/1	1.126	71/1	0.166
114	0.721	71/2	0.101
48	0.134	72	0.198
49	0.158	103/4	0.097
101/2	0.547	80/1	0.206
101/3	0.138	103/2	0.174
101/4	0.551	113/1	0.206
104/1	0.085	118/3	0.170
119	1.513	81/1	0.089
50	0.028	120/1	0.324
54/1	0.178	120/3	0.202
117	0.255	81/2	0.275
55/1, 56/1	1.057	83	0.676
74/1	0.210	81/1	0.210
74/2	0.162	90	0.077
55/2	0.405	29	0.445
55/3, 56/2	0.214	99	0.364
59/1	0.493	100	0.648
59/2	0.607	105/1	0.057
66/1	0.081	105/2	0.182
111/1	0.032	53/2	0.089
63/2	0.045	106	0.251
92	0.194	110/2	0.065
103/1	0.429	107/1	0.182
103/3	0.146	107/2	0.089
113/2	0.202	118/1	0.085
52	0.304	118/2	0.202
102	0.368	107/3	0.267
104/2	0.405	110/1	0.065
64	0.210	112	1.335
69/1	0.125	122/2	1.214
76/1	0.069	97/2	0.069
86/1	0.130	69/2	0.081
97/1	0.121	76/2	0.036

(1)	(2)
86/2	0.105
71/3	0.101
78/2	0.184
94	0.105
34/3	0.121
47/3	0.033
65/1	0.049
96/2	0.078
96/4	0.046
65/2	0.030
28	0.138
47/2	0.086
47/5	0.050
47/6	0.008
योग 134	35.951

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-औद्योगिक प्रयोजन हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) रायगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
सुबोध कुमार सिंह, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.